हिन्दी सान्ध्य दैनिक जौनपुर,लखनऊ व भदोही से प्रकाशित

देश की उपासना

www.Deshkiupasana.com
www.Deshkiupasana.in
www.Deshkiupasana.org

देश के विकास में समर्पित समाज के सभी वर्गों के लिए

dku live

वर्ष : 01 अंक–195 : जौनपुर, गुरुवार 06 अप्रैल 2023 सान्ध्य दैनिक (संस्करण) पेज –4 मूल्य : 2 रूपया

सफाई मित्रों को सम्मानजनक मानदेय के लिए गठित होगा बोर्ड –मुख्यमंत्री योगी

लखनऊ ब्यूरो : उत्तर प्रदेश पूरे देश में सबसे ज्यादा नगर निकाय वाला राज्य है। प्रदेश में 762 नगर निकाय हैं, जहां करीब 7 करोड़ की आबादी निवास करती है। आने वाले समय में यहां इलेक्शन होने वाले हैं, जहां चार करोड़ 32 लाख से अधिक मतदाता हैं। ऐसे में इन सभी के जीवन में परिवर्तन लाने के लिए इज ऑफ लिविंग के तहत पिछले 6 वर्षों में ऐतिहासिक काम किया गया है और आगे भी यह युद्धस्तर पर जारी रहेगा। नगरीय निकाय प्रदेश में विकास के इस बदलाव की धुरी बने हैं। नगर विकास मंत्री, उनकी टीम और जनप्रतिनिधियों के सहयोग से नगर निकाय एक नई पहचान के साथ आगे बढ़ रहे हैं। ये बातें सीएम योगी ने गुरुवार को गोमती नगर विस्तार स्थित विशाखा सभागार में आयोजित 8754 करोड़ की लागत की 2042 परियोजनाओं का लोकार्पण व शिलान्यास एवं पुस्तक विमोचन करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने टेम्पो टिपर एवं अमृत कार्ट को हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। इसके साथ ही प्रधानमंत्री आवास योजना के लार्भियों को चाभी वितरित करने के साथ ही सफाई मित्रों को सुरक्षा किट भी प्रदान की। राज्य स्तर पर होगा बोर्ड का गठन मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि आज शहरों में स्वच्छता नए सिरे से देखने को मिलती है। इसको लेकर लोगों के मन में एक उत्साह दिखता है। इसमें सबसे बड़ा रोल हमारे सफाई मित्रों का है। उन्होंने नगर विकास मंत्री के आवाह्न पर सुबह 5 बजे सफाई व्यवस्था की कमान संभाली, जो पहले सुबह 10 बजे थी। यह प्रयोग काफी सराहनीय है। हमें इस दिशा में और प्रयास करने हैं। इसको लेकर नगर विकास विभाग और प्रदेश सरकार ने चीफ सेक्रेटरी की अध्यक्षता में एक कमेटी भी बनाई है ताकि सफाई मित्रों को अच्छा मानदेय मिले। उन्होंने कहा कि सर्विस प्रोवाइडर को हम अलग से पैसा दे रहे हैं, लेकिन वह सफाई मित्रों को पैसा काट कर मानदेय देते हैं। ऐसे में उनको सम्मानजनक मानदेय देने और उन्हे मान सम्मान मिले इसके लिए राज्य स्तर पर एक बोर्ड गठित कर इस कार्यक्रम को आगे बढ़ाया जाएगा। खासकर सीवर आदि की सफाई करने वालों को अतिरिक्त मानदेय की व्यवस्था के साथ उनकी सुरक्षा की व्यवस्था सरकार सुनिश्चित करेगी। सीएम ने कहा कि 60 शहर अमृत योजना के तहत अच्छादित हैं। इसके अलावा नगर विकास विभाग ने और भी परियोजनाओं का शुभारंभ किया है। आने वाले समय में 100 ऐसी नगर पंचायतों का चयन किया जाएगा, जिसे आकांक्षात्मक सिटी के रूप में

विकसित किया जाएगा। स्मार्ट सिटी मिशन में प्रदेश का नगर विकास नंबर एक पर सीएम ने कहा कि कुछ राज्य ऐसे भी होंगे जिनका वार्षिक बजट ही 8700 के आसपास होगा, जितने कार्यों का हम नगर विकास के अंतर्गत लोकार्पण और शिलान्यास कर रहे हैं। सरकार गरीबों को फ्री में आवास, शौचालय, 5 लाख का स्वास्थ्य बीमा कवर दे रही है। जब अच्छी सरकार आती है तो ऐसे ही परिवर्तन लाती है। वहीं पाकिस्तान को देख लीजिए वहां पर आज रोटी के लाले पड़ रहे हैं। सरकार द्वारा 17 लाख से अधिक गरीबों को नगरीय क्षेत्र में 1–1 आवास उपलब्ध करवाया जा चुका है। इसमें 17 लाख से अधिक और ग्रामीण क्षेत्र को जोड़ दिया जाए तो यह संख्या 34 लाख हो जाती है। प्रदेश में 10 करोड़ को प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना, आयुष्मान भारत के तहत पांच लाख और मुख्यमंत्री जन आरोग्य योजना के तहत पांच लाख का स्वास्थ्य बीमा दिया जा रहा है। 15 करोड़ लोगों को मार्च 2020 से फ्री में राशन की सुविधा उपलब्ध करवाई जा रही है जो अभी भी जारी है। देश के अंदर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने 100 सिटी को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने का एक लक्ष्य रखा था, जिसमें से 10 प्रदेश के थे। जहां युद्धस्तर पर विकास कार्य हो रहे हैं। राज्य स्मार्ट सिटी मिशन के तहत सभी 17 नगर निगम को स्मार्ट सिटी के साथ जोड़ने का कार्य किया जा रहा है। स्मार्ट सिटी मिशन में प्रदेश का नगर विकास नंबर एक पर है। आपने देखा होगा कि कोरोना कालखंड के अंदर कमांड एंड कंट्रोल सेंटर ने बहुत ही अच्छा कार्य किया था। इसी तर्ज पर सभी 75 जनपदों में कमांड एंड कंट्रोल सेंटर बनाए गए थे, जहां से लोगों को दवा, वैक्सीन, टेस्ट, राशन आदि की सुविधा दी गई।

फीस वृद्धि व कोर्स पर कमीशनबाजी को लेकर अभिभावक संगठन ने प्रशासन को सौंपा ज्ञापन

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : प्राइवेट स्कूलों में फीस वृद्धि व कोर्स पर कमीशनबाजी को लेकर अभिभावक संघ ने आज जिलाधिकारी को सम्बोधित ज्ञापन सिटी मजिस्ट्रेट को सौंपा। ज्ञापन पर तत्काल एक्शन लेते हुए स्कूल मैनेजमेंट/प्रशासन व शिक्षाधिकारियों की एक मीटिंग कराने का निर्देश दिया गया। जिला स्तरीय शुल्क नियामक समिति की मीटिंग भी कराए जाने का निर्देश दिया गया है। अभिभावकों ने सोशल मीडिया पर स्कूल फीस/बस फीस आदि में मनमानी वृद्धि व किताबों/कॉपियों में कमीशनबाजी को लेकर रोष प्रक्रट किया है। अभिभावक संघ ने तत्काल संज्ञान लेते हुये सामने आ रही शिकायतों पर जिला प्रशासन से एक्शन लेने का अनुरोध किया है। इस मौके पर अभिभावक संघ के अध्यक्ष गोपाल द्विवेदी ने कहा कि संघ पर कुछ मीडिया मंचो पर निष्क्रियता के आरोप निराधार हैं। कहा, खेदजनक स्थिति है कि स्कूल मैनेजमेंट हर शिक्षण सत्र के शुरू होते ही मनमानी करने लगता है। अभिभावक संघ ने गठन होने के बाद से ही हर शिक्षण सत्र में इस मनमानी को रोकने का प्रयास किया है। पूर्व के शिक्षण सत्रों में स्कूल मैनेजमेंट, बुकसेलर्स व ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों पर जो भी नकेल कसी गयी है वह अभिभावक संघ के ही प्रयासों का प्रतिफल रही है।

संरक्षक राकेश पांडेय ने कहा कि अभिभावक संघ किसी भी अभिभावक से कोई चंदा आदि नही लेता है। यह एक पंजीकृत संस्था है जो कोर कमेटी के सदस्यों के सहयोग से कार्य करती है। अभिभावक संघ के पदाधिकारियों पर उपकृत होने के लगाए जा रहे आरोप पूरी तरह निराधार हैं। संरक्षक आमिर किरमानी ने कहा कि अभिभावक संघ ताकतवर मैनेजमेंट/बुकसेलर्स/ट्रांसपोर्ट ऑपरेटर लॉबी के दबाब को नकार कर अभिभावकों की शिकायत/रोष को लेकर जिला प्रशासन के सम्मुख उन्हें रख उनका समाधान प्राप्त करने का प्रयास करता है। कहा, आरोप लगाने की बजाय सहयोग प्रदान करें, क्योंकि अभिभावकों के साथ के बिना प्रशासन व मैनेजमेंट/बुकसेलर्स/ट्रांसपोर्ट ऑपरेटरों पर पर्याप्त दबाब नहीं बनाया जा सकता।

स्कूल चलो अभियान अंतर्गत केराकत में ''नामांकन मेले'' का किया गया आयोजन

जौनपुर सू.वि. : स्कूल चलो अभियान के अंतर्गत प्राथमिक विद्यालय कन्या सरौनी विकास–खंड, केराकत पर ''नामांकन मेले'' का आयोजन किया गया। इस अवसर पर आसपास की बस्तियों एवं गांव में संचालित ईट–भट्टे के कुल 18 बालक, बालिकाओं का कक्षा 1 में नामांकन किया गया। नामांकन मेले में पूर्व विधायक केराकत श्री दिनेश चौधरी एवं जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी डॉ. गोरखनाथ पटेल ने बच्चों का विवरण प्रथम प्रवेश पंजिका में दर्ज किये गये। इस अवसर पर बच्चों को निःशुल्क पाठ्य पुस्तकें भी वितरित की गयी। पूर्व विधायक दिनेश चौधरी ने विद्यालयों के बदलते हुए कलेवर एवं परिषदीय विद्यालय में बढ़ते हुए नामांकन पर प्रसन्नता व्यक्त की। सरकारी योजनाओं की सफलता का परिचायक बताया। 'जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी, डॉ गोरखनाथ पटेल ने

शिक्षकों का आवाहन किया कि घर–घर जाकर 6 से 14 आयु वर्ग के बच्चों का नामांकन सुनिश्चित करें। खंड शिक्षा अधिकारी मुकेश कुमार ने कायाकल्प, डीबीटी आदि पर प्रकाश डाला। इस अवसर पर एआरपी, शिक्षक, अभिभावक, ग्राम प्रधान, शिक्षक संकुल, अध्यापक उपस्थित रहे।

भाजपा कार्यकर्ताओं ने धूमधाम से मनाया स्थापना दिवस

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : भारतीय जनता पार्टी आज अपना 44वां स्थापना दिवस मना रही है. इस मौके पर जिलाध्यक्ष पुष्पराज सिंह ने बीजेपी कार्यकर्ताओं के साथ भाजपा कार्यालय पर भाजपा का झंडारोहण कर कार्यकताओं को स्थापना दिवस की बधाई दी इस दौरान पीएम मोदी और राष्ट्रीय अध्यक्ष का एलइडी स्क्रीन पर उदबोधन सुना। पीएम मोदी ने हनुमान जी का जिक्र करते हुए कहा कि बजरंग बली भारत की विकास यात्रा में प्रेरणा देते हैं। इस दौरान उन्होंने भ्रष्टाचार और कानून–व्यवस्था के मुद्दे पर सख्ती से पेश आने का जिक्र करते हुए कहा, 'जब हनुमान जी को राक्षसों का सामना करना पड़ा था तो वो उतने ही कठोर भी हो गए थे, इसी प्रकार से जब भ्रष्टाचार की बात आती है, जब परिवारवाद की बात आती है, कानून व्यवस्था की बात आती है तो भाजपा उतनी ही संकल्पबद्ध हो जाती है। इस मौके पर जिला महामंत्री पीयूष गुप्ता, सुनील तिवारी अमित श्रीवास्तव जिला मंत्री डॉ उमाशंकर सिंह, अभय राय, प्रमोद यादव, विपिन द्विवेदी, ओमप्रकाश सिंह, पूर्व जिला उपाध्यक्ष राम सिंह मौर्य,

डीसीएफ चेयरमैन धनंजय सिंह, जिला मीडिया प्रभारी आमोद सिंह, सोशल मीडिया प्रभारी संयोजक सिद्धार्थ राय, आईटी संयोजक रोहन सिंह, जिला अध्यक्ष किसान मोर्चा नरेंद्र उपाध्याय, जिलाध्यक्ष महिला मोर्चा रागिनी सिंह, अनुसूचित मोर्चा जिलाध्यक्ष अजय सरोज, जिला महामंत्री किसान मोर्चा इन्द्रसेन सिंह, पिछड़ा मोर्चा प्रमोद प्रजापति, ब्रह्मेश शुक्ला, आशीष गुप्ता, अजय सिंह, घनश्याम यादव, संजीव गुप्ता, निखिल सोनकर, रविकांत सिंह, नीरज मौर्य, विमला श्रीवास्तव, अंशु कुशवाहा, आशा मौर्या, मण्डल अध्यक्ष गण उपस्थित रहे।

8731 करोड़ की 2029 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण शिलान्यास व पुस्तकों के विमोचन समारोह का प्रसारण

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : आज शाहाबाद नगर पालिका परिषद के सभागार में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ द्वारा नगर विकास विभाग की 8731 करोड़ की 2029 विकास परियोजनाओं का लोकार्पण,शिलान्यास एवं पुस्तकों के विमोचन समारोह के ऑनलाइन प्रसारण कार्यक्रम में मुख्य अतिथि उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने प्रतिभाग किया। नगर के नागरिकों के जीवन में परिवर्तन करना और उनके जीवन में खुशहाली लाने प्रयास प्रारम्भ हुआ है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने आज लखनऊ नगर विकास विभाग के 8,731 करोड़ की 2,029 विकास परियोजनाओं के लोकार्पण और शिलान्यास किया और पुस्तकों का भी लोकार्पण किया। विशाखा सभागार, नगर विकास निदेशालय, गोमतीनगर लखनऊ से प्रसारित कार्यक्रम में मुख्यमंत्री ने कहा कि शहरी क्षेत्र में 17 लाख से भी अधिक गरीबों को आवास उपलब्ध कराया गया है। 15 करोड़ लोगों को फ्री में राशन सुविधा उपलब्ध करायी जा रही है। आज हमारे नगर केवल नगर नहीं है। देश के अंदर प्रधानमंत्री ने 100 शहरों को स्मार्ट सिटी के रूप में विकसित करने का लक्ष्य रखा था। उनमें दस शहर उप्र से हैं। उन्होंने कहा कि नगरीय जीवन में परिवर्तन लाने के अनेक काम किये जा रहे हैं। इसी कारण उप्र का नगर विकास नंबर एक पर आया है। सर्विस प्रोवाइडर को अलग से पैसा दे रहे हैं तो वह किसी सफाई कर्मी के मानदेय से पैसा नहीं काटेगा। इसकी हम व्यवस्था करने जा रहे हैं। सफाई कर्मियों की सुरक्षा व्यवस्था करने जा रहे हैं। जब हम इतनी योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास करने आये हैं तो यह बता दें कि 60 शहर हमारे अमृत योजना से आच्छादित हैं। इसके साथ ही अन्य योजनाएं भी साथ–साथ चल रही हैं। आगे हम 100 ऐसे शहरों का चयन

करेंगे, जिन्हें हम आकांक्षात्मक शहर के रूप में विकसित कर सकें। दुनिया की सुविधाएं वहां दे सकें। मुख्यमंत्री ने कहा कि भारत 140 करोड़ लोगों को फ्री में राशन उपलब्ध करा रहा है। यहां फ्री में वैक्सीन दी जा रही है। यहां हर घर नल की व्यवस्था की जा रही है। जिनके पास आवास बनाने का सामर्थ्य नहीं है, उन्हें आवास दे रही है। मैं चाहूंगा कि हम सभी निष्ठा के साथ अपने कर्तव्यों का निर्वहन करेंगे तो अवश्य ही हम सब अवश्य शक्तिशाली होंगे। इस अवसर पर उप मुख्यमंत्री ब्रजेश पाठक, नगर विकास एवं ऊर्जा मंत्री एके शर्मा आदि ने भी संबोधित किया। पालिका बोर्ड के सभागार में इस मौके पर उपजिलाधिकारी धीरेन्द्र कुमार श्रीवास्तव एवं अधिशाषी अधिकारी आर आर अंबेश, रिवेन्यू इंस्पेक्टर अनस खां के अलावा भाजपा नेता राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, अनिल पाण्डेय पिंटू, भोले त्रिवेदी सहित अनेक जनप्रतिनिधि और नागारिक उपस्थित रहे।

पाठक बन्धुओं से अनुरोध

आप सभी से अनुरोध है कि ऑनलाइन समाचार पत्र पढ़नें हेतु हमारे निम्नांकित वेबसाइट
www.Desh ki upasana.com
का अधिक अधिक उपयोग करें–तथा हमारें यू–ट्यूब चैनल / पोर्टल - **dku live** सत्य एवं प्रमाणिक खबरों के लिए Like&Subscribe जरूर कीजिए।
–संपादक

स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल बनाए जाने का जिलाधिकारी ने किया निरीक्षण

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : जिला मजिस्ट्रेट श्री अनुज कुमार झा के द्वारा टी.डी. इंटर कॉलेज में प्रस्तावित स्ट्रांग रूम एवं मतगणना स्थल बनाए जाने के संबंध में स्थलीय निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का जायजा लिया।

उन्होंने मतगणना स्थल के रूप में उपयोग किए जाने वाले कक्षों का निरीक्षण करते हुए उप जिलाधिकारी सदर श्री सुनील कुमार को निर्देशित किया कि पेयजल, शौचालय, बैरिकेडिंग सी.सी.टी.वी. सहित अन्य आवश्यक व्यवस्थाएं कर ली जाए। उन्होंने कहा कि पार्किंग व्यवस्था सुदृढ़ कर ली जाए। प्रवेश एवं निकासी के लिए अलग–अलग द्वार बनाए जाए। इस अवसर पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राम अक्षयबर चौहान, अधीक्षण अभियंता पीडब्ल्यूडी, तहसीलदार सहित अन्य संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे।

पर्यावरण के साथ मानव सभ्यता की भी संरक्षक हैं नदियाँ –वॉटर वुमेन

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : पंचतत्व फाउंडेशन की संस्थापक वॉटर वुमेन शिप्रा पाठक की माँ गोमती की आध्यात्मिक एवं जन–जागरण माधोटांडा से कैथी वाराणसी तक 960 किमी लंबी पदयात्रा 5 अप्रैल जौनपुर जिले के बलुआ घाट से शुरू होकर गोपीघाट पर पहुंच गई। स्वच्छ गोमती अभियान के सदस्यों ने वॉटर वुमेन का भव्य स्वागत किया। वॉटर वुमेन के पैरों की हालत देख कर महिलायें भावुक हो गईं। वॉटर वुमेन ने माँ गोमती की आरती भी की। वॉटर वुमेन शिप्रा पाठक ने बुधवार को जौनपुर जिले के बलुआ घाट से पदयात्रा शुरू की। 36 किलोमीटर चल कर वॉटर वुमेन गोपीघाट पर पहुंच गईं। वॉटर वुमेन का गोपीघाट पर स्वच्छ गोमती अभियान के अध्यक्ष गौतम गुप्ता के नेतृत्व में सैकड़ों लोगों ने भव्य स्वागत किया। माँ गोमती के भक्तों के स्वागत से अभिभूत वॉटर वुमेन ने कहा कि सभी लोग माँ गोमती की सेवा कीजिये, उसे बचाने का प्रयास कीजिये, जल को स्वच्छ रखने का प्रयास कीजिये। उन्होंने कहा कि जल और नदियों को बचाने का एक मात्र उपाय पौधारोपण ही है, इसलिये प्रत्येक व्यक्ति को अधिक से अधिक पौधे लगाने चाहिये और वयस्क होने तक पौधों का संरक्षण भी करना चाहिये। वॉटर वुमेन ने कहा कि नदियाँ सिर्फ जल का स्रोत नहीं हैं। नदियों के किनारे सभ्यताओं ने जन्म लिया है, उनका विकास हुआ है, इसलिये नदियाँ मानव सभ्यता की जननी हैं। नदियों को बचाने से मानव सभ्यता का इतिहास भी संरक्षित रहेगा। वॉटर वुमेन ने कहा कि जिसका इतिहास समाप्त हो जाता है, वो सभ्यता भी नहीं बचती, इसलिये मानव सभ्यता को बचाने के लिये भी नदियों को बचाना होगा और यह कार्य सभी के जागरूक होने से ही संभव है। वॉटर वुमेन ने सभी को जल शपथ दिलाई एवं पौधारोपण करने का भी संकल्प दिलाया, साथ ही माँ गोमती की आरती की।

भाजपा के 43 वें स्थापना दिवस पर संजय देवी रावत द्वारा किया गया झंडारोहण

लखनऊ पत्रकार विवेक साहू : आज भारतीय जनता पार्टी के 43 वें स्थापना दिवस पर गौरी बाजार राजा बिजली पासी द्वितीय वार्ड नंबर 5 स्थित कार्यालय में संजय देवी रावत के द्वारा झंडारोहण किया एवं पंडित दीनदयाल

उपाध्याय व डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी के छाया चित्रों पर माला रोपण एवं पुष्प अर्पित किए गए इस मौके पर जिला संयोजक सैनिक प्रकोष्ठ श्री मनोज सिंह चौहान व राजा बिजली पासी वार्ड अध्यक्ष श्री राकेश चंद्र तिवारी , रज्जन लाल रावत पूर्व जिला पंचायत सदस्य जिला मंत्री श्री मती रेनू सिंह ,महिला मोर्चा मंडल रीता वर्मा नीरू तिवारी महिला मोर्चा अध्यक्ष , आशीष कुमार रावत किसान मोर्चा मंडल अध्यक्ष, शैलेंद्र सिंह हिंदू जागरण मंच , मुकेश अवस्थी व अभिषेक वर्मा भाजपा युवा नेता और दर्जनों भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

facebook YouTube WhatsApp twitter Instagram

–सुविचार–
एक अच्छे इंसान का संकेत है कि वो हमेशा दूसरों की अच्छाई देखता है।
–साभार ज्ञानामृत पत्रिका

सम्पादकीय

26 नंबर विधानसरणी : जहां पड़ी जनसंघ की नींव

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पहली बार 1980 में 2 सीटों के साथ शुरू हुआ यह सफर आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप (2021 में 303 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी) में देश की सेवा कर रही है, जिसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

देश और दुनिया के लोग उत्तर कोलकाता को भारतीय वेदांत दर्शन को दुनियाभर में फैलाने वाले रामकृष्ण परमहंस के परम शिष्य स्वामी विवेकानंद के जन्मस्थान के रूप में पहचानते हैं। इस स्थान की एक और पहचान है। वह है, स्वामी विवेकानंद के पैतृक वासगृह से चंद कदम की दूरी पर स्थित प्रज्ञा मंदिर।

दरअसल, पहले यह 26 नंबर विधानसरणी के नाम से विख्यात थी। यह वह स्थान है, जो करीब एक सदी का इतिहास अपने में समाए हुए है। आजादी से पहले और बाद में जब–जब देश को राजनैतिक हो या सामाजिक क्षेत्र में सेवा की जरूतर पड़ी, 26 नंबर विधानसरणी ने अग्रणी भूमिका निभाई। बाहर से देखने पर बहुत ही साधारण है यह भवन लेकिन आज भी उसमें किसी तरह का परिवर्तन नहीं हुआ है। शायद यह कोलकाता का एक मात्र भवन है, जिसकी सीढ़ियां आज भी काठ (लकड़ियों) की हैं।

एक पार्टी की यात्रा की शुरुआत

यहां प्रवेश के लिए एक छोटा सा गेट है। घुमावदार सीढ़ियों से होते हुए जब आप ऊपर चढ़ते जाते हैं, तो दीवारों पर देश के महान शहीदों से आपका सामना होता है। जैसे–जैसे आप ऊपरी मंजिल की ओर बढ़ते जाते हैं, सकारात्मक ऊर्जा से आप भरते जाते हैं। दूसरी मंजिल पर एक बृहद पुस्तकालय आपका स्वागत करती है। जहां हैं, तीन लकड़ी की टेबल और लकड़ी की कुछ कुर्सियां।

यह वह स्थान है, जहां 1940 में पूर्व भारत का प्रथम विरासती कार्यालय 'माधव स्मृति' की स्थापना हुई थी। तबसे लेकर यह मातृभूमि की सेवा में सतत लगी हुई। यह वह स्थान है, जहां द्वितीय सरसंघचालक श्रीगुरुजी माधव सदाशिव गोलवरकर के मार्ग–दर्शन और प्रेरणा से राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की चालीस से अधिक प्रकल्पों को मूर्त रूप मिला। नोआखाली के दंगा पीढ़ितों को यहां आश्रय मिला था। यहीं बैठकर पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी देश के भविष्य की रणनीति बनाते थे।

यहीं पर खड़े होकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय ने भारत की सनातन विचारधारा को युगानूकुल रूप में प्रस्तुत करते हुए देश को 'एकात्म मानववाद' पर लगातार चार दिनों तक संबोधित किया था। यह वही जगह है, जहां पर श्रीगुरुजी की प्रेरणा से कन्या कुमारी में संघ के सरकार्यवाहक एकनाथ रानडे के मार्ग–दर्शन में विवेकानंद स्मृति शिला की बीज पड़े थे। इनके साथ–साथ यह वही स्थल है जहां श्रीगुरुजी की प्रेरणा से डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जनसंघ की स्थापना की थी।

प्रज्ञा प्रवाह के पूर्व क्षेत्रीय संयोजक अरविंद दास, एक कमरे की ओर इशारा करते हुए बताते हैं–

यह वही कमरा है, जहां बैठकर द्वितीय सरसंघचालक श्री गुरुजी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी के आग्रह को सुना था। वे बताते हैं कि पूर्व प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू के कैबिनेट में मंत्री रहे, श्यामा प्रसाद मुखर्जी का नेहरू के साथ कश्मीर में धारा 370 को लेकर मतभेद होने पर उन्होंने मंत्रिमंडल से इस्तीफा दे दिया। लेकिन श्यामा प्रसाद मुखर्जी देश के लिए कुछ करना चाहते थे। वे किसी ऐसे व्यक्तित्व की तलाश कर रहे थे जो उनका मार्ग–दर्शन और प्रेरणा दे सकें।

किसी ने उन्हें श्रीगुरुजी के बारे में बताया। इसके बाद पहली बार 1950 में श्याम प्रसाद मुखर्जी, इसी 26 नंबर विधानसरणी में आए और श्रीगुरुजी से मिले। श्यामा प्रसाद से मिलने और उनकी बातों को सुनने के बाद श्रीगुरुजी ने उनकी मदद करने की ठानी। श्रीगुरु जी को स्वामी विवेकानंद जी की वह कथन याद हो आया जिसमें उन्होंने कहा था, किसी भी कार्य की पूर्णता के लिए अंग्रेजी के 'तीन एच' की जरूरत होती है।

श्यामा प्रसाद के पास दो एच हैं यानी एच (हैड, मस्तिष्क) और दूसरा एच (हार्ट यानी हृदय) तो थे लेकिन उनके पास तीसरे एच यानी (हैंड, हाथ) नहीं हैं। तब श्रीगुरुजी ने इसी कमरे में बैठकर श्यामा प्रसाद जी की मदद की ठानी।

उन्होंने तुरंत राष्ट्रीय स्वयं सेवक संघ की सेवा कर रहे, पंडित दीन दयाल उपाध्याय और पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी को बुलाया, साथ बैठे प्रज्ञा प्रवाह के पूर्व क्षेत्र के संपर्क प्रमुख डॉ. आनंद पांडेय ने पुस्तकालय, जहां लकड़ी की टेबल और कुर्सियां हैं की ओर इशारा करते हुए कहा, यहीं पर पहली बार श्रीगुरुजी ने श्यामा प्रसाद मुखर्जी को पंडित दीन दयाल उपाध्याय और अटल बिहारी वाजपेयी के रूप में दो हाथ दिए थे।

यहीं पर 1951 में एक नई राजनीतिक पार्टी भारतीय जनसंघ की नींव रखी गई और पार्टी का चिन्ह रखा गया दीपक। इसके बाद 1952 में पहली बार श्यामा प्रसाद मुखर्जी के नेतृत्व में भारतीय जनसंघ ने चुनाव लड़ा और तीन सीटें जीतीं, जिनमें से एक सीट पर स्वयं श्यामा प्रसाद मुखर्जी विजयी हुए थे। इसके बाद जनसंघ ने पीछे मुड़कर नहीं देखा।

कालांतर में बलराज मधोक, पंडित दीनदयाल उपाध्याय, अटल बिहारी वाजपेयी और लालकृष्ण आडवाणी भी इसके अध्यक्ष रहे। इस बीच, 1975 और 76 में देश एक गंभीर राजनीतिक संकट में पड़ गया। तत्कालीन प्रधानमंत्री स्व. इंदिरा गांधी ने देश में आपातकाल लागू कर दिया। देशभर की विरोधी राजनीति पार्टियों के नेताओं को जेल में डाल दिया गया।

इस संकट से देश को उबारने के लिए कई राजनीतिक पार्टियों ने मिलकर 1977 में जनता पार्टी का गठन किया और उसके नेतृत्व में चुनाव लड़ा, जिसमें पहली बार राम और बाम एक साथ आए और भारी मतों से विजयी हुई। जनता पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार में मोरारजी देसाई 1977 से 1979 तक प्रधानमंत्री रहे।

इसके बाद 1979 से 80 तक चौधरी चरण सिंह जनता पार्टी के प्रधानमंत्री रहे। लेकिन आंतरिक मतभेदों के चलते 1980 में जनता पार्टी टूट गई। भारतीय जनसंघ के रूप में जनता पार्टी में शामिल हुई, एक पार्टी भारतीय जानता पार्टी के रूप में बाहर आई। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में 1980 में भारतीय जनता पार्टी की नींव रखी गई और उसका चुनाव चिन्ह रखा गया कमल।

अटल बिहारी वाजपेयी के नेतृत्व में पहली बार 1980 में 2 सीटों के साथ शुरू हुआ यह सफर आज दुनिया की सबसे बड़ी राजनीतिक पार्टी के रूप (2021 में 303 सीटों के साथ सबसे बड़ी पार्टी) में देश की सेवा कर रही है, जिसके प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं।

ये लेखक के अपनें विचार हैं।

विश्व स्वास्थ्य दिवस और भारत की अहम भूमिका –मृत्युंजय दीक्षित

हरदोई ब्यूरो अम्बरीष कुमार सक्सेना : विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ), के स्थापना दिवस 7 अप्रैल को ही विश्व स्वास्थ्य दिवस के रूप में मनाया जाता है। विश्व स्वास्थ्य संगठन, संयुक्त राष्ट्र संघ की एक अनुषांगिक इकाई है जो विश्व के देशों की स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं पर वैश्विक सहयोग तथा स्वास्थ्य सम्बन्धी विधि ा एवं मानक विकसित और स्थापित करती है। विश्व स्वास्थ्य संगठन के 193 सदस्य देश तथा दो संबद्ध सदस्य देश हैं इसकी स्थापना 7 अप्रैल 1948 को की गयी थी जबकि विश्व स्वास्थ्य दिवस वर्ष 1950 से मनाया जा रहा है।इस वर्ष विश्व स्वास्थ्य संगठन अपनी 75 वर्षगाँठ मना रहा है इसलिए इस बार का विश्व स्वास्थ्य दिवस विशेष उत्साह के साथ मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य दिवस लोगों के स्वास्थ्य स्तर में सुधार करने हेतु उनमें स्वास्थ्य सम्बन्धी विषयों पर जागरुकता लाने के लिए मनाया जाता है। भारत भी विश्व स्वास्थ्य संगठन का एक सदस्य देश है अतः भारत में भी इस दिन को विविध आयोजन किए जाते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन की परिभाषा के अनुसार दैहिक, मानसिक और सामाजिक रूप से पूर्णतः स्वस्थ या समस्या रहित होना ही स्वस्थ होना है यह मात्र शरीर में रोग की अनुपस्थिति मात्र नहीं है। इतना ही नहीं विश्व स्वास्थ्य संगठन ऐसे पर्यावरणीय कारकों पर भी ध्यान देता है जो किसी रोग के जनक या कारक हो सकते हैं। विश्व स्वास्थ्य संगठन के अनुसार विश्व भर में प्रतिवर्ष 1.3 करोड़ से अधिक लोग पर्यावरणीय कारणों से अपने जीवन से हाथ धोते हैं। इन कारणों में जलवायु संकट शामिल है जो मानवता के सामने सबसे बड़ा स्वास्थ्य खतरा है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने जलवायु संकट भी एक स्वास्थ्य संकट माना है। विश्व स्वास्थ्य संगठन प्रतिवर्ष, विश्व स्वास्थ्य दिवस के लिए एक विषय (थीम) चुनता है और वर्ष पर्यंत सारे जागरुकता कार्यक्रम उसी विषय के अनुसार संचालित किये जाते हैं। उदहारण के रूप में वर्ष 2022 का विषय, "हमारा ग्रह–हमारा स्वास्थ्य" था और वर्ष 2023 का विषय है "सभी के लिए स्वास्थ्य"। भारतीय संस्कृति, "सर्वे सन्तु निरामयः" कहकर प्रत्येक प्राणी के स्वास्थ्य की कामना करती है और संभवतः यही विश्व स्वास्थ्य संगठन के वर्ष 2023 के विषय "सभी के लिए स्वास्थ्य" का मंतव्य है। विगत दो–तीन वर्षों में कोरोना महामारी के कारण स्वास्थ्य के क्षेत्र में हुई भारी उथल पुथल ने विश्व का ध्यान प्राचीन भारतीय स्वास्थ्य विधियों योग, प्राणायाम

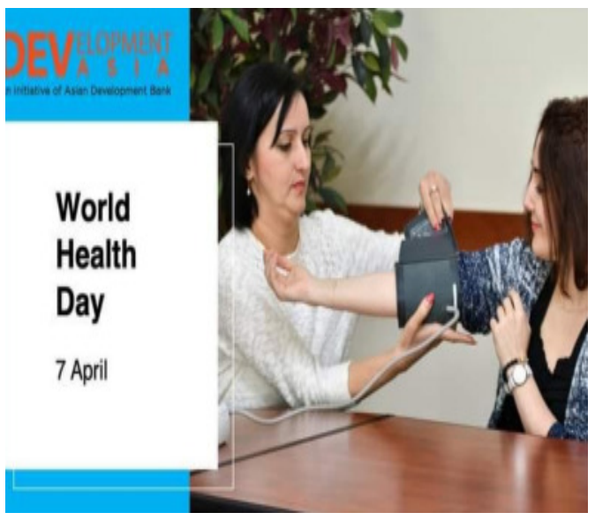

और आयुर्वेद की दिशा में आकर्षित किया है। भारत के प्रयासों से योग को पहले ही स्वस्थ जीवन के मूल उपाय के रूप में मान्यता मिल चुकी है और पूरा विश्व 23 जून को विश्व योग दिवस के रूप में मनाता है। आयुर्वेद आहार को भी औषधि के रूप में ही मान्यता देता है क्योंकि आहार पोषण का आधार है और पोषण स्वास्थ्य का। समुचित पोषण भी स्वस्थ जीवन का एक महत्वपूर्ण कारक है और विश्व की बड़ी जनसंख्या को जिसमें सीमित और कम आय वाले देशों की जनसंख्या शामिल है उसको पर्याप्त पोषण मिल सके इस दृष्टि से भारत ने मोटा अनाज या श्री अन्न के प्रचार प्रसार और उत्पादन बढ़ाने की दिशा में कार्य किया। भारत के प्रयासों के परिणामस्वरूप वर्ष 2023 "विश्व मोटा अनाज वर्ष" के रूप में मनाया जा रहा है। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर सभी भारतीयों को "विश्व योग दिवस" और "विश्व मोटा अनाज वर्ष" पर गर्व करना चाहिए, ये भारत की धरती का विश्व को उपहार हैं। विश्व स्वास्थ्य दिवस के अवसर पर एक सामान्य नागरिक के रूप में हमारा योगदान यही होता है कि हम स्वस्थ जीवन के कुछ मूल नियमों के पालन का प्रण लेते हुए उन्हें अपने जीवन में उतारें। हमारी आज की सुविधा जनक जीवन शैली और खान पान कई जीवनशैली आधारित स्वास्थ्य समस्याओं की कारक है, हम उसमें सुधार के लिए कुछ लक्ष्य निर्धारित कर सकते हैं जैसे दृ कोल्ड ड्रिंक और जंक फूड को मना करना, प्रतिदिन थोड़ा शारीरिक श्रम अथवा व्यायाम करना, दिनचर्या व्यवस्थित रखना, धूम्रपान और अल्कोहल के सेवन से बच कर रहना, अपने आस पास के पर्यावरण को स्वच्छ रखना जिससे मच्छर न पनपने पाएं, भोजन को हाथ लगाने से पूर्व हाथ धोना, निराशा और अवसाद से दूर रहने के लिए किसी अन्य के साथ अपनी तुलना न करना दृ ये छोटे छोटे स्वास्थ्य सम्बन्धी व्यवहार हमारे जीवन की गुणवत्ता पर बड़ा प्रभाव डालते हैं और हमारे अच्छे स्वास्थ्य की नींव बनते हैं।

यूपी में आईपीएस और 16 पीपीएस के तबादले : वायरल वीडियो प्रकरण की रिपोर्ट दाखिल होने से पहले हटे एएसपी अनिरुद्ध

लखनऊ ब्यूरो : डीजीपी मुख्यालय ने मेरठ में एएसपी ग्रामीण के पद पर तैनात आईपीएस अनिरुद्ध कुमार सिंह को हटा दिया है। उनको सीबीसीआईडी मुख्यालय भेजा गया है। साथ ही, वाराणसी में अपर पुलिस उपायुक्त उनकी पत्नी आरती सिंह का तबादला भी कानपुर पुलिस कमिश्नरेट कर दिया गया है। माना जा रहा है कि अनिरुद्ध सिंह के वायरल वीडियो प्रकरण की जांच के दृष्टिगत दोनों आईपीएस पति–पत्नी का तबादला किया गया है। वहीं कानपुर कमिश्नरेट में तैनात अंकिता शर्मा को वाराणसी में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। बृहस्पतिवार को तीन आईपीएस और 16 पीपीएस अफसरों के तबादले कर दिए गए। बताते चलें कि अनिरुद्ध सिंह का हाल ही में एक वीडियो वायरल हुआ था, जिसमें वह वाराणसी में तैनाती के दौरान एक स्कूल संचालक से 20 लाख रुपये रिश्वत मांगते हुए नजर आ रहे थे। इस प्रकरण की जांच पूर्व कार्यवाहक डीजीपी डीएस चौहान ने वाराणसी के पुलिस कमिश्नर अशोक मुथा जैन को सौंपी थी। तत्पश्चात कमिश्नर ने डीआईजी संतोष कुमार सिंह को तीन दिन में जांच कर रिपोर्ट देने के निर्देश दिए थे हालांकि करीब माह पूरा होने के बावजूद अभी जांच पूरी नहीं हो सकी है। डीजीपी आरके विश्वकर्मा ने अभी जांच रिपोर्ट नहीं मिलने की पुष्टि की है। आठ एडिशनल एसपी का तबादला डीजीपी मुख्यालय ने बृहस्पतिवार को 16 पीपीएस अफसरों का तबादला किया है जिनमें आठ एडिशनल एसपी और आठ डिप्टी एसपी शामिल हैं। अनिरुद्ध सिंह के स्थान पर बुलंदशहर के एएसपी क्राइम कमलेश बहादुर को मेरठ भेजा गया है। कमलेश बहादुर का पूर्व में 45वीं वाहिनी पीएसी, अलीगढ़ के लिए हुआ तबादला आदेश संशोधित किया गया है। एडीजी मेरठ जोन की स्टाफ अफसर एएसपी आलोक दुबे को मेरठ में छठवीं वाहिनी पीएसी का उप सेनानायक बनाया गया है। वहीं

पीएसी मेरठ में तैनात अनिल कुमार–1 को एडीजी जोन मेरठ का स्टाफ अफसर बनाया गया है। विशेष डीजी कानून–व्यवस्था एवं अपराध प्रशांत कुमार के स्टाफ अफसर कृपाशंकर को लखनऊ पुलिस कमिश्नरेट में अपर पुलिस उपायुक्त बनाया गया है। उनके स्थान पर पावर कारपोरेशन में तैनात एएसपी पूर्णेंदु सिंह को विशेष डीजी का स्टाफ अफसर बनाया गया है। बिजनौर में तैनात एएसपी इंदु सिद्धार्थ को सतर्कता अधिष्ठान के मेरठ सेक्टर में तैनाती दी गयी है। महोबा में तैनात एएसपी राजेंद्र कुमार गौतम का एडीजी महिला एवं बाल सुरक्षा के स्टाफ अफसर के पद पर पूर्व में हुआ तबादला आदेश संशोधित कर अब उन्हें अयोध्या में एएसपी यातायात एवं प्रोटोकॉल बनाया गया है। डीजीपी मुख्यालय में एएसपी स्थापना के पद पर तैनात राहुल मिश्रा का अयोध्या के लिए पूर्व में हुआ तबादला आदेश निरस्त कर दिया गया है। वे एएसपी स्थापना के पद पर बने रहेंगे। आठ डिप्टी एसपी इधर से उधर इसके अलावा आठ डिप्टी एसपी भी इधर से उधर किए गए हैं। शिव प्रताप सिंह द्वितीय को अलीगढ़ से मेरठ भेजा गया है। लोकायुक्त संगठन में तैनात प्रयांक जैन को शाहजहांपुर में तैनात किया गया है। योगेंद्र सिंह–1 को भ्रष्टाचार निवारण संगठन से लोकायुक्त संगठन भेजा गया है। अंकित कुमार द्वितीय को सीबीसीआईडी से मुरादाबाद, राजेश कुमार तिवारी को बलिया से मुरादाबाद, एसएन वैभव पांडेय को 48वीं वाहिनी पीएसी सोनभद्र से बलिया, आलोक कुमार अग्रहरि को सीबीसीआईडी से झांसी और राजेंद्र कुमार सिंह द्वितीय को 32वीं वाहिनी पीएसी, लखनऊ से नागरिक उड्डयन (एयरपोर्ट सिक्योरिटी) के पद पर भेजा गया है।

कानपुर से तुलसीपुर जा रही रोडवेज बस पलटी : एक की मौत तथा 17 लोग घायल

बलरामपुर ब्यूरो : कानपुर से तुलसीपुर जा रही गोंडा डिपो की रोडवेज बस बृहस्पतिवार की सुबह गोंडा–बलरामपुर रोड पर कुआनो नदी के किनारे पलट गई। इसमें मऊ के रगरपुर निवासी राजेश की मौत हो गई। हादसे में घायल 17 यात्रियों को मेमोरियल जिला अस्पताल में भर्ती कराया गया है। गोंडा डिपो की रोडवेज बस संख्या यूपी 78 एफटी–9134 बुधवार की रात नौ बजे कानपुर से तुलसीपुर के लिए निकली थी। बृहस्पतिवार की सुबह करीब पांच बजे यह बस बलरामपुर की सीमा में पहुंचते ही कुआनो नदी के किनारे सामने से आ रहे ट्रक से बचाने के चक्कर में गड्ढे में पलट गई। बस पलटने से अफरा–तफरी मच गई। हर ओर बस चीख पुकार ही सुनाई दे रही थी। स्थानीय लोगों व बस के चालक–परिचालक ने खिड़की के शीशे तोड़कर फंसे लोगों को बाहर निकालना शुरू कर दिया। हादसे की सूचना पर डीएम डॉ. महेंद्र कुमार, एसपी केशव कुमार, एडीएम प्रदीप कुमार व एएसपी नमिता श्रीवास्तव अतिरिक्त पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंच गए। इसके बाद घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया। हादसे में घायल मऊ जिले के रगरपुर निवासी राजेश की अस्पताल ले जाते समय मौत हो गई। राजेश की पत्नी श्रीदत्तगंज में स्टाफ नर्स है। इसके अतिरिक्त 17 अन्य घायल हो गए। इसमें से तीन की हालत गंभीर देख उन्हें संयुक्त जिला अस्पताल रेफर किया गया है। एएसपी ने बताया कि हादसे के कारणों की जांच की जा रही है। गोंडा डिपो की बस थी। यह कानपुर से तुलसीपुर जा रही थी। हादसे में यह हुए घायलः मेमोरियल अस्पताल में भर्ती सुधीर कुमार पांडेय (28) निवासी करोही थाना इंदिरानगर लखनऊ, मोहब्बत अली (45) निवासी गोपालपुर हरैया बलरामपुर, ज्ञानदेव (33) निवासी मधुपुर पकड़ी बलरामपुर, राजेश यादव (37) निवासी

सिविल लाइंस बलरामपुर, अनवर (40) व रोशनी बानो (35) निवासी सिविल लाइंस बलरामपुर, इंद्रजीत (34) निवासी बालपुर विश्वेसरगंज बहराइच, राम कुमार (16) निवासी भगहा ललिया बलरामपुर, छेदीलाल (50) निवासी गौरा चौराहा, सुरेश (50) निवासी खरका झांसी, अनिल मिश्र (40) निवासी बेलमत्थर थाना परसपुर गोंडा, अजय द्विवेदी (45) निवासी विमोचन घाट अयोध्या, राधिका (12) व करन (11) निवासी झांसी भर्ती कराए गए हैं। संयुक्त अस्पताल में बृजमोहन निवासी खैराही बालपुर बलरामपुर, शिवनाथ व प्रदीप निवासी खलवा बलरामपुर को भर्ती कराया गया है। सीएमओ डॉ. सुशील कुमार ने बताया कि घायलों का इलाज किया जा रहा है। मुख्यमंत्री योगी ने जताया शोक, मृतक के परिजनों के लिए आर्थिक सहायता का किया एलान मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने हादसे में हुई जनहानि पर गहरा दुःख प्रकट किया है। मुख्यमंत्री ने दिवंगत आत्मा की शांति की कामना करते हुए शोक संतप्त परिजनों के प्रति संवेदना व्यक्त की है। मुख्यमंत्री ने मृतक के परिजनों को 7.50 लाख रुपये की सहायता राशि यात्री राहत कोष से देने के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने घायलों को तत्काल अस्पताल पहुंचाकर जिला प्रशासन के अधिकारियों को उनका समुचित उपचार कराने के निर्देश दिए हैं साथ ही घायलों के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की है।

महिला समेत चार को घायल करने के बाद झोपड़ी में डटा तेंदुआ : रेस्क्यू जारी : दहशत में ग्रामीण

बहराइच ब्यूरो : बहराइच के कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सदर बीट में बृहस्पतिवार की सुबह शौच गई महिला पर तेंदुआ ने हमला कर दिया। महिला का शोर सुन हांका लगाते पहुंचे तीन ग्रामीणों को भी तेंदुए ने घायल कर दिया। हमले के बाद से ही तेंदुआ गांव के एक घर में डटा हुआ है, जिससे ग्रामीण दहशत में है। तेंदुए को पकड़ने का प्रयास तीन घंटे से जारी है लेकिन अभी सफलता नहीं मिली है। कतर्नियाघाट वन्यजीव प्रभाग के सदर रेंज के ग्राम पंचायत चहलवा के मजरा मंगलपुरवा निवासी रीता देवी (33) बृहस्पतिवार की सुबह शौच गई थी। इसी दौरान खेत में मौजूद तेंदुए ने रीता पर हमला कर दिया। रीता के शोर मचाने पर ग्रामीण हांका लगाते हुए दौड़े। ग्रामीणों का शोर सुन तेंदुआ गांव की ओर भागा और इस दौरान लाल बहादुर, संजय और संतोष को भी घायल कर दिया। गांव पहुंचने पर तेंदुआ लालबहादुर की झोपड़ी में घुस गया। जिसके बाद ग्रामीणों ने झोपड़ी को बाहर से बंद

कर दिया और इसकी सूचना वन विभाग को दी। वन दरोगा मयंक पांडे और अब्दुल सलाम आदि मौके पर पहुंचे और तेंदुए का रेस्क्यू शुरू कर दिया। मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। पुलिस और वन कर्मी तेंदुए को रेस्क्यू करने में प्रयासरत हैं। झोपड़ी के बाहर चारो ओर खाबड़ लगाया गया है और वन कर्मी तेंदुए के बाहर निकलने का इंतजार कर रहे हैं। चहलवा प्रधान प्रतिनिधि प्रीतम निषाद ने बताया की अभी तेंदुआ बाहर नहीं निकला है।

एनसीपी के प्रदेश संयोजक हरिशचन्द्र सिंह एवं सह–संयोजक रामप्रीत शर्मा का कार्यकर्ताओं ने किया जोरदार स्वागत

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (एन.सी.पी.) के प्रदेश संयोजक हरिशचन्द्र सिंह एवं सह–संयोजक रामप्रीत शर्मा के साथ प्रथम लखनऊ आगमन पर चारबाग एवं दारूलशफा गेट पर कार्यकर्ताओं / पदाधिकारियों, समर्थकों द्वारा जोरदार स्वागत किया गया। दारूलशफा स्थित पार्टी कार्यालय न्यू–140, बी–ब्लॉक दारूलशफा में प्रेस प्रतिनिधियों से वार्ता करते हुए श्री सिंह ने कहा कि देश के महान नेता पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष शरद पवार ने संगठन को मजबूत बनाने, सरकार की जनविरोधी नीतियों के विरूद्ध संघर्ष करने एवं केन्द्र की भाजपा सरकार को उखाड़ फेंकने के लिए ये बड़ी जिम्मेदारी दिया है। श्री सिंह ने कहा कि मध्यम वर्गीय परिवार के लिए केन्द्र व प्रदेश सरकार के पास कोई ठोस कार्ययोजना नहीं है, कुछ चंद लोगो के लिए सरकार काम कर रही है, रोजगार पर सरकारी दावे खोखले है। वर्तमान में बेरोजगारी एक बड़ा मुद्दा है। धर्म की आड़ में जनहित के बुनियादी सवालों को दबाने का प्रयास किया जा रहा है। राष्ट्रवादी

कांग्रेस पार्टी को प्रदेश में मजबूती प्रदान करते हुए युद्ध स्तर पर गाँव, गरीब, मजदूर, किसान, बेरोजगार, छात्रों, नौजवानों, दलितों, पिछड़े शोषितों, वंचितों, पीड़ित, महिलाओं के हित की लड़ाई लड़ी जाएंगी। इस मौके पर प्रदेश के आर०पी० सैनी, पद्म श्रीवास्तव, अरूण यादव, अशोक कुमार, महेन्द्र सिंह, प० योगेन्द्र शर्मा, प्रवीण सिंह, दिनेश सिंह, मंजू मिश्रा, सुमन पाण्डेय, नवीन निश्चल निगम, अजय प्रजापति, दयानन्द, भास्कर, स्वदेश कांत मिश्रा, दीपू, हरिशचन्द्र, भूपेन्द्र सिंह सेठ्ठी, इत्यादिगण उपस्थित रहे।

छात्रवृत्ति घोटाला मामले में 10 संस्थानों को नोटिस : तीन जिलों के समाज कल्याण अधिकारी से मांगा विवरण

लखनऊ ब्यूरो : सौ करोड़ से अधिक के छात्रवृत्ति घोटाले में पुलिस ने दस संस्थानों को नोटिस भेजा है। संस्थानों के बनाए गए आरोपियों के बयान दर्ज कराने व दस्तावेज प्रस्तुत करने को निर्देशित किया गया है। पुलिस ने लखनऊ, हरदोई व फर्रुखाबाद के जिला समाज कल्याण विभाग से इन संस्थानों को दी गई छात्रवृत्ति संबंधी पूरी जानकारी मांगी है। दो दिन के भीतर जानकारी उपलब्ध कराने को कहा गया है। हजरतगंज थाने में बीते शुक्रवार को पुलिस ने दस संस्थानों व फिनो बैंक के अफसरों–एजेंट पर मुकदमा दर्ज किया था। ईडी की जांच के आधार पर ये कार्रवाई की गई है। आरोप है कि इन संस्थानों ने बैंक के साथ मिलकर छात्रवृत्ति के सौ करोड़ से अधिक रुपये हड़प गए। पुलिस की विवेचना कर रही है। पुलिस ने संस्थानों व बैंक के 18 नामजद आरोपियों को बयान के लिए बुलाया है। साथ ही संस्थानों से वहां के छात्रों का विवरण मांगने अलावा जिनके नाम पर छात्रवृत्ति ली गई उनका डाटा उपलब्ध कराने को कहा है। तय समय में उनको जवाब देना होगा। दूसरी तरफ समाज कल्याण विभाग से वर्ष 2015–16 से 2022–23 तक इन संस्थानों के कितने छात्रों को, कब कब और कितनी छात्रवृत्ति दी गई उसकी जानकारी मांगी है। जब ये सभी जानकारी पुलिस को मिल जाएगी तो उस आधार पर जांच आगे बढ़ाएगी। इन संस्थानों को जारी किया नोटिस एसएस इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट मामपुर, लखनऊ। ओरेगॉन एजुकेशनल सोसाइटी, कुर्सी रोड विकासनगर। हाइजिया कॉलेज ऑफ फार्मेसी लखनऊ। हाइजिया इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी/सेंट्रल इंस्टीट्यूट ऑफ फार्मेसी लखनऊ। लखनऊ इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड एजुकेशन लखनऊ। डॉ. भीमराव अंबेडकर फाउंडेशन फाउंडेशन एंड जीविका कॉलेज ऑफ फार्मेसी, हरदोई। आरपीपी इंटरकॉलेज भटाई, हरदोई। ज्ञानवती इंटर कॉलेज, हरदोई। जगदीश प्रसाद वर्मा उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, हरदोई डॉ. ओम प्रकाश गुप्ता, इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट एंड टेक्नोलॉजी, फर्रुखाबाद।

जिलाधिकारी द्वारा निर्वाचन संबंधी समस्त प्रभारी अधिकारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

जौनपुर सू.वि. : नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन को स्वतंत्र, सकुशल, निष्पक्ष, सुव्यवस्थित एवं सुचारू रूप से सम्पन्न कराने के उद्देश्य से कलेक्ट्रेट सभागार में जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में निर्वाचन संबंधी समस्त प्रभारी अधिकारी एवं सहायक प्रभारी अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री राम अक्षयबर चौहान ने मतदान, मतगणना हेतु कार्मिकों की नियुक्ति, पोलिंग पार्टी की रवानगी, शांति एवं सुरक्षा व्यवस्था, जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट की नियुक्ति एवं प्रशिक्षण, कंट्रोल रूम, आदर्श आचार संहिता का अनुपालन, लेखन सामग्री, मतपेटी एवं मतपत्र व्यवस्था, पोलिंग पार्टियों हेतु वाहन व्यवस्था, डाक मतपत्र व्यवस्था, वीडियोग्राफी, सीसीटीवी, डिजिटल कैमरा, वेब कास्टिंग व्यवस्था, टेंट फर्नीचर, बैरीकेडिंग एवं प्रकाश व्यवस्था, मीडिया सेल एवं संचार आदि व्यवस्थाओं से संबंधित प्रभारी अधिकारियों को उनके कार्य एवं दायित्वों के बारे में विस्तृत जानकारी दी गयी। जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा समस्त प्रभारी अधिकारियों को निर्देश दिए गए कि सभी लोग दिए गए दायित्वों का निष्ठापूर्वक निर्वहन करें। कोई भी समस्या होने पर उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी से सहयोग लेकर निर्वाचन कार्य को पूरी निष्पक्षता, पारदर्शिता एवं शांतिपूर्व ढंग से सम्पन्न कराएं। सभी एसडीएम एवं तहसीलदार आपस में समन्वय बनाकर निरन्तर

बूथों का निरीक्षण करते रहें। किसी भी बूथ पर मूलभूत सुविधाओं का अभाव नहीं रहना चाहिए। उन्होंने कहा कि नगरीय निकाय चुनाव की अधिसूचना जारी होने से पहले ही समस्त तैयारियां पूर्ण कर ली जाएं। उन्होंने पुलिस विभाग के अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि निर्वाचन के दौरान अराजक तत्वों पर कड़ी निगरानी रखी जाए। यदि कोई व्यक्ति मतदाताओं को प्रलोभन देकर या डरा धमकाकर किसी पार्टी, उम्मीदवार विशेष के पक्ष में मतदान करने के लिए प्रेरित करता हुआ पाया जाएगा तो उसके खिलाफ कड़ी कार्यवाही की जाएगी। बैठक में प्रभारी जोनल, सेक्टर मजिस्ट्रेट, प्रभारी लेखन सामग्री, प्रभारी मीडिया सहित अन्य प्रभारी अधिकारी आदि मौजूद रहे।

नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 को सकुशल एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने हेतु बैठक सम्पन्न

जौनपुर सू.वि. : जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी श्री अनुज कुमार झा की अध्यक्षता में नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 को जनपद के नगर पालिका परिषद सहित सभी नगर निकायों में सकुशल एवं निष्पक्ष रूप से सम्पन्न कराने के दृष्टिगत आर0ओ0/ए0आर0ओ0 को प्रशिक्षण कलेक्ट्रेट सभागार में दिया गया। जिला मजिस्ट्रेट ने निर्वाचन डयूटी में लगाये गये सभी आर0ओ0/ ए0आर0ओ0 को निर्देशित करते हुए कहा कि राज्य निर्वाचन आयोग द्वारा निर्देशित निर्वाचन प्रक्रिया के अनुसार जनपद के 03 नगर पालिका परिषद एवं 9 नगर पंचायतों में अध्यक्ष एवं सदस्य पद हेतु निर्वाचन सम्पन्न कराया जाना है, जिसमे निर्वाचन डयूटी में लगाये जाने वाले सभी आर0ओ0/ ए0आर0ओ0 एवं अधिकारियों/ कर्मचारियों को निर्धारित निर्वाचन डयूटी के अनुसार पूरी संवेदनशीलता एवं सक्रियता के साथ निष्पक्ष रूप से कार्य करते हुए निर्वाचन सम्पन्न कराना है। उप जिला निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि नगरीय निकाय सामान्य निर्वाचन–2023 हेतु आयोग द्वारा शीघ्र अधिसूचना निर्गत की जानी है। आयोग द्वारा अधिसूचना निर्गत किये जाने के पश्चात् जिला मजिस्ट्रेट/जिला निर्वाचन अधिकारी द्वारा अधिसूचना निर्गत की जाती है और उसके बाद सम्बन्धित निर्वाचन अधिकारी द्वारा सूचना जारी की जाती है। निर्वाचन अधिकारी द्वारा सूचना निर्गत किये जाने के साथ ही नामांकन की कार्यवाही प्रारम्भ हो जाती है। नगर पालिका परिषद जौनपुर, नगर पंचायत जफराबाद, कचगॉव एवं गौराबादशाहपुर का नामांकन जनपद मुख्यालय (कलेक्ट्रेट परिसर) पर तथा शेष निकायों का नामांकन सम्बन्धित तहसील मुख्यालय पर होगा। अध्यक्ष पद हेतु उम्मीदवार की आयु 30 वर्ष तथा सदस्य पद हेतु उम्मीदवार की आयु 21 वर्ष होनी चाहिए तथा वह सम्बन्धित नगरीय निकाय का निर्वाचक हो। इस दौरान जिला मजिस्ट्रेट ने सभी आर.ओ/ए.आर.ओ को आवश्यक जानकारी देते हुए कहा कि सभी प्रकार की तैयारियां पूर्ण कर ली जाए ताकि बिना किसी व्यवधान के निर्वाचन सम्पन्न कराया जा सके। इस अवसर पर परियोजना निदेशक जयकेश त्रिपाठी, समस्त उपजिलाधिकारीगण, सहायक जिला निर्वाचन अधिकारी, आरओ/एआरओ उपस्थित रहे।

बेमौसम बारिश के बाद अब बिजली की मार : आंखों के सामने धू–धूकर जल गई फसल और देखते रह गए किसान

सोनभद्र ब्यूरो : बेमौसम बारिश के बाद अब बिजली के जर्जर तार किसानों पर कहर ढा रहे हैं। गुरुवार की सुबह कोन थाना क्षेत्र के देवाटन गांव में बिजली तार का टूटने से लगी आग में खलिहान में रखी फसल जलकर राख हो गई। आंखों के सामने धू–धूकर अपनी फसल को जलता देख किसान सदमे में है। ग्राम पंचायत देवाटन के टोला लौगांबाध निवासी औलाद मुहम्मद ने अपने पांच बीघे खेत में गेहूं, चना, मसूर की खेती की थी। फसल कटाई के बाद उसे अपने दरवाजे के सामने बने खलिहान में रखा था। गुरुवार की सुबह करीब 5.30 बजे ऊपर से गुजरा एलटी तार अचानक टूटकर फसल पर गिर गया। तार में प्रवाहित करंट से खलिहान में आग लग गई। देखते ही देखते आग की लपटें इतनी तेज हो गई कि खलिहान में रखी पूरी फसल उसकी जद में आ गई। शोर गुल मचाते हुए लोग आग बुझाने के लिए दौड़े। काफी प्रयास के बाद भी कोई सफलता नहीं मिली। सूचना मिलते ही कोन

पुलिस भी मौके पर पहुंच गई। आसपास पानी की व्यवस्था नहीं होने से पूरी फसल घंटों जलती रही। ग्राम प्रधान ने बताया कि बिजली कर्मचारियों से जर्जर तार बदलने के लिए कई बार सूचना दिया गया, मगर कोई कार्रवाई नहीं की गई। पीडित औलाद मुहम्मद ने बताया कि फसल बेचकर ही परिवार का जीविकोपार्जन चलता था, अब खाने तक को कुछ नहीं बचा।

एस के डी एकेडमी की राजाजीपुरम शाखा में हनुमान जन्मोत्सव पर सुन्दरकाण्ड एवं विशाल भण्डारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। एसकेडी एकेडमी की राजाजीपुरम शाखा में हनुमान जन्मोत्सव बहुत ही धूम धाम से मनाया गया। हनुमान जी शक्ति और भक्ति के देव माने जाते हैं। अतः इनके पूजन से भक्तों के सभी कष्ट दूर हो जाते हैं। चौत्र पक्ष की पूर्णिमा को हनुमान जी के जन्मोत्सव के रूप में मनाया जाता है। इस उपलक्ष्य में एसकेडी की राजाजीपुरम शाखा में समस्त स्टाफ ने पूजा में सम्मिलित होकर सुन्दर काण्ड का पाठ पूजन, भजन और कीर्तन का विशेष आयोजन किया गया। तथा सभी स्थानीय एवं आगुन्तकों को प्रसाद वितरण कर भण्डारे का भी आयोजन किया गया। इस अवसर पर संस्था के निदेशक मनीष सिंह ने हनुमान जन्मोत्सव की सभी को शुभकामनाएं दीं। उन्होंने कहा कि ऐसी मान्यता है कि इस पृथ्वी पर श्री हनुमान जी जीवित देवता के रूप में आज भी विद्यमान हैं

इसलिए हम उनका जन्मोत्सव मनाते हैं। वे सभी के संकट मोचक हैं एवं उनको मंगल मूरति मारूतिनंदन आदि अनेक विश्लेषणों से पूजा जाता है। हम सब मिलकर ये प्रार्थना करते हैं कि उनकी कृपा एवं आशीर्वाद हम सब पर बनी रहे।

श्रीहनुमान जन्मोत्सव पर किया गया विशाल भंडारे का आयोजन

ब्यूरो चीफ आर एल पाण्डेय लखनऊ। राजधानी के दारुलशफा के निकट श्री हनुमान जन्मोत्सव पर विशाल भंडारे का आयोजन किया गया। भंडारे के

संयोजक डॉक्टर सुनील सिंह वाराणसी, उमाशंकर सिंह, दीपेश चौहान,राहुल सिंह,पवन, बसंत सिंह इत्यादि लोग उपस्थित रहे। हजारों लोगों ने भंडारे में प्रसाद ग्रहण किया।

मीरपुर के 102 छात्रों को कुलपति ने दिया शिक्षण किट

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : प्रतिभा कभी भी किसी का मोहताज नहीं होती है। यह लोगों मे मिथक धारणा है। अच्छे विद्यालयो में ही अच्छी शिक्षा मिल सकती है। प्रतिभावान छात्र कही भी अच्छा प्रदर्शन करने में सक्षम होते हैं। क्यो की कहावत ही है होनहार वीरवान के होत चिकनी पात। उक्त बातें वीर बहादुर सिंह पूर्वांचल यूनिवर्सिटी की कुलपति प्रो. निर्मला एस. मौर्य प्राथमिक विद्यालय मीरपुर में आयोजित समारोह में आये हुए लोगो को संबोधित करते हुए कहीं। इस दौरान उन्होंने अपनी तरफ से विद्यालय के 102 छात्र– छात्राओं को शिक्षण किट वितरित किया। इसमें बैग, पुस्तक, कापी, कलम, रबड़, पेंसिल, कटर इत्यादि पढ़ाई लिखाई से सम्बंधित सामग्री थी। कार्यक्रम में विशिष्ट अतिथि के रूप में पहुचे बीएसए डॉ. गोरखनाथ पटेल ने प्राथमिक विद्यालय मीरपुर की प्रशंसा करते हुए कहा कि नामांकन के मामले में प्राथमिक विद्यालय मीरपुर सबसे टॉप पर है। यह अन्य विद्यालयों के लिए अनुकरणीय है। इस दौरान विद्यालय के छात्र– छात्राओं ने विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम की प्रस्तुति से आये हुए अतिथियों को मंत्रमुग्ध कर दिया। कुलपति ने विद्यालय की शैक्षिक व्यवस्था को देखकर प्रभारी प्रधानाध्यापक मुकेश सिंह व उनके स्टाफ की प्रशंसा की। इस अवसर पर डॉ. राकेश कुमार यादव, मुकेश सिंह,एन.एस.एस. समन्वयक डॉ. राज बहादुर यादव, कमलेश यादव, डॉ लक्ष्मी प्रसाद मौर्य, उमेश मिश्रा, अंजना सिंह, राजू सिंह, प्रवीण सिंह, मंजूलता, सुनीता यादव, आमिल जैदी आदि मौजूद रहे।

प्रो.अजय कुमार दुबे नेपाल में शिक्षा विभूषण सम्मान से सम्मानित

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू, नेपाल में हिंदी केंद्रीय विभाग द्वारा आयोजित द्वि –दिवसीय अंतरराष्ट्रीय संगोष्ठी ''वैश्विक परिदृश्य में शिक्षा, साहित्य, संस्कृति और समाज की भूमिका '' में विशिष्ट अतिथि वक्ता के रूप में तिलकधारी महाविद्यालय, जौनपुर के शिक्षक शिक्षा विभाग के विभागाध्यक्ष प्रोफेसर अजय कुमार दुबे

ने आमंत्रित विशिष्ट वक्ता के रूप में सहभागिता की । अंतराष्ट्रीय संगोष्ठी के आयोजन समति द्वारा प्रोफेसर दुबे को सृजनात्मक एवं रचनात्मक अभिव्यक्ति, शिक्षा, साहित्य ,संस्कृति और भाषा को राष्ट्रीय अंतरराष्ट्रीय स्तर पर समृद्ध करने साथ ही इनके प्रति निष्ठा एवं प्रतिबध्दता से समाज में स्थापित उच्च मानक तथा महत्वपूर्ण योगदान के लिए शिक्षा–विभूषण सम्मान' से त्रिभुवन विश्वविद्यालय काठमांडू नेपाल में अलंकृत किया गया । प्रोफेसर दुबे को प्राप्त सम्मान पर बधाई देते हुए टी.डी. कॉलेज के शिक्षक –शिक्षा विभाग के प्रो. विनय कुमार सिंह, प्रो, रीता सिंह, प्रो. जयप्रकाश सिंह, प्रो. श्रद्धा सिंह, डॉ.अरविंद कुमार सिंह,डॉ वंदना शुक्ला, डॉ गीता सिंह,डॉ सुलेखा सिंह, डॉ सीमांत राय ,डॉ वैभव सिंह आदि ने बधाई देते हुए इसे तिलकधारी महाविद्यालय और जनपद के लिए महत्वपूर्ण और गौरवशाली क्षण बताते हुए यह कामना किया है कि महाविद्यालय के शिक्षक इसी प्रकार निरंतर उत्तरोत्तर शैक्षिक पथ के उच्चतर सोपान को छूते रहेंगे और विद्यार्थियों को नवीन शैक्षिक परिवेश ,गुणात्मक परिवर्तन से अवगत कराते हुए शैक्षिक दायित्वों की पूर्ति और विद्यार्थियों में नवीन चेतना जागृत करने की महाविद्यालय परंपरा को बनाये और स्थापित करेंगे।

सोलर कैमरों से लैस होगा मॉडल ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर

रिपोर्ट उमाकान्त श्रीवास्तव ब्यूरो शाहजहांपुर : जनपद के विकास खण्ड सिंधौली की मॉडल ग्राम पंचायत भटपुरा रसूलपुर जोकि कई पुरस्कार पा चुकी है। मॉडल ग्राम के प्रधान अनिल कुमार गुप्ता ने बताया कि ग्राम पंचायत के प्रत्येक तिराहे , चौराहे पर अब सोलर सिस्टम के 4G कैमरे लगाए जा रहे हैं। इन कैमरों के लग जाने से ग्राम पंचायत पूर्णतया सुरक्षित हो जाएगी । इन कैमरों में माइक भी लगा हुआ है । और इनमे पूरे महीने की रिकॉर्डिंग हर समय मौजूद रहेगी। और यह सभी कैमरे ग्राम वासियों के मोबाइल से सीधे जुड़ेंगे स ग्राम प्रधान के अनुसार इस कार्य के हो जाने से हमारे ग्राम में चोरी की घटना बिल्कुल बंद हो जाएगी। कोई भी व्यक्ति गाड़ी , ट्रैक्टर ट्राली , मोटरसाइकिल , पशु (जानवर) आदि नहीं चुरा पाएगा। और कोई भी व्यक्ति नाजायज असलाह लेकर नहीं घूम सकेगा तथा लड़ाई झगड़े की भी गुंजाइश बहुत कम हो जाएगी क्योंकि प्रत्येक क्राइम की गतिविधि कैमरों में रिकॉर्ड रहेगी।

शिक्षक सेवा से निवृत्त होता है अपने दायित्वों से नहीं –डा० गोरखनाथ पटेल

जौनपुर ब्यूरो विश्वप्रकाश श्रीवास्तव : प्राथमिक विद्यालय चक पहलवान ताहिर सिरकोनी में आयोजित सेवानिवृत्त शिक्षक सम्मान समारोह में 31 मार्च को सेवानिवृत्त हुए डा दिनेश प्रताप सिंह, मो० हासिम नरेंद्र प्रताप सिंह, शाजहां को जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी की उपस्थिति में सम्मानित किया गया। इस अवसर पर डा. गोरखनाथ पटेल ने चारों सेवानिवृत्त शिक्षकों को सम्मानित करते हुए कहा कि शिक्षक कभी भी सेवानिवृत्त नहीं होता बल्कि समय के साथ उसके दायित्व बदलते रहते हैं। डा. पटेल ने सभी सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों को उनके उज्ज्वल भविष्य की शुभकामनाएं दी। खंड शिक्षा अधिकारी शशांक सिंह ने समारोह को संबोधित करते हुए कहा कि मुझे अल्प समय तक सिरकोनी ब्लाक में सेवानिवृत्त हो रहे शिक्षकों के साथ कार्य करने का अवसर मिला। डा. दिनेश सिंह सहित चारों सेवानिवृत्त शिक्षकों का कार्य अत्यंत ही सराहनीय रहा है। इस अवसर पर जिलाध्यक्ष अमित सिंह ने कहा कि आज सिरकोनी ब्लाक के लिए एक महत्वपूर्ण दिन है। जहाँ हम अपने बीच से सेवानिवृत्त हुए शिक्षक साथियों का सम्मान कर रहे हैं वहीं कार्यरत शिक्षक साथियों के सम्मान एंव हितों की रक्षा हेतु ब्लाक की नई कार्यकारणी का गठन कर रहे हैं। सम्मान समारोह के समापन के पश्चात जिलाध्यक्ष श्री सिंह के मार्गदर्शन में पर्यवेक्षक अतुल प्रताप सिंह, सरोज सिंह अध्यक्ष बक्सा चुनाव अधिकारी अर्चना सिंह, शैलेन्द्र सिंह की देखरेख में भारी संख्या में सिरकोनी ब्लाक के शिक्षकों की उपस्थिति में

उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ इकाई सिरकोनी के कार्यसमिति का चुनाव सम्पन्न हुआ। चुनाव में सर्वसम्मति से ब्लाक अध्यक्ष प्रवीण कुमार सिंह, मंत्री अमर बहादुर यादव, कोषाध्यक्ष नागेंद्र दुबे, महिला अध्यक्ष सरिता महेंद्र सिंह, वरिष्ठ उपाध्यक्ष नवीन सिंह, संयुक्त मंत्री रामचंद्र पाल, उपाध्यक्ष – नागेंद्र यादव, सिद्धार्थ सोलंकी, आनंद निषाद, आशीष श्रीवास्तव, राज कुमार यादव, महिला उपाध्यक्ष नीलम सिंह, संगठन मंत्री – ललित रजक, अनुराग यादव, शैलेंद्र कुमार, ज्ञान चंद्र, महिला संगठन मंत्री पूनम राव, प्रचार मंत्री – हितेश उपाध्याय, प्रवीण सिंह, अतुल बिंद, त्रिपुरेश कुमार , ऑडिटर अनिल प्रजापति, अकाउंटेंट प्रसाद सिंह, संरक्षक दिनेश सिंह को चुना गया।कार्यक्रम का संचालन मंत्री यशवंत सिंह ने किया।

दि आयुष्मान फाउंडेशन ने जी.एस.टी. विभाग में चयनित दो प्रतिभाओं का किया सम्मानित

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। सोहावल–अयोध्या। तहसील क्षेत्र की नव सृजित नगर पंचायत सुचितागंज के दो युवाओं ने जीएसटी विभाग में चयनित होकर क्षेत्र और जिले का नाम रोशन किया है । करन सिंह पुत्र हरजीत सिंह मिंटू पूर्व जिला पंचायत सदस्य ने इंस्पेक्टर जीएसटी विभाग में व दीपेश गुप्ता पुत्र बबलू गुप्ता ने टैक्स असिस्टेंट ऑफिसर जीएसटी विभाग में चयनित होकर सोहावल के साथ–साथ अयोध्या जिले का मान सम्मान बढ़ाया है। दि आयुष्मान फाउंडेशन की तरफ से सबसे पहले इस सम्मान कार्यक्रम में हनुमानगढ़ी सोहावल रेलवे क्रॉसिंग के पुजारी सुरेंद्र द्वारा अंग वस्त्र व माला पहनाकर आशीर्वाद दिया गया स सत्य प्रकाश गांधी एवं सुरेंद्र कोरी द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर दोनो युवाओं को सम्मानित करते हुए उज्जवल भविष्य की शुभकामनाएं दी गई। करन सिंह ने लखनऊ में रह कर तो दीपेश ने प्रयागराज में रह कर तैयारी की और दोनो ने अपनी इस सफलता का श्रेय कड़ी मेहनत, गुरुजनों का मार्गदर्शन, मित्रो का सहयोग व माता–पिता के आशीर्वाद को दिया द्य मौके पर करन सिंह के अंकल बब्लू सिंह, दीपेश गुप्ता के पिता जी बब्लू गुप्ता, समाजसेवी पटेल वर्मा, राहुल गुप्ता, अरविंद कुमार, विकास गुप्ता, अंशुमान श्रीवास्तव, रिंकू विश्वकर्मा मौजूद रहे।

सरयू नदी को प्रदूषण से मुक्ति दिलाने की मांग नागरिक मंच की ओर से रेजिडेंट मजिस्ट्रेट को सौंपा गया 6 सूत्रीय ज्ञापन

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। सरयू मैया को गन्दे नाले– नालियों के पानी व प्रदूषण से मुक्ति दिलाने एवं विकास के नाम पर अधिकारियों द्वारा किये जा रहे भ्रष्टाचार व तानाशाही से जनता को मुक्ति दिलाने की मांग के साथ–साथ नजूल की जमीनों को अवैध कब्जेदारों से मुक्त कराने की मांगों से सम्बन्धित छःसूत्रीय ज्ञापन अयोध्या नागरिक मंच की ओर से रेजीडेंट मजिस्ट्रेट अयोध्या के माध्यम से प्रदेश के मुख्यमंत्री, मण्डलायुक्त व जिलाधिकारी के पास भेजा गया। पूर्व घोषित कार्यक्रम के तहत अयोध्या नागरिक मंच के सघ्योजक एस एन बागी के नेतृत्व में एक प्रतिनिधि मंडल रेजीडेन्ट मजिस्ट्रेट अयोध्या डा,संदीप श्रीवास्तव से नयाघाट स्थित उनके कार्यालय पर मिला जिसमें कनकभवन के संत कमलादास, कृष्ण कुमार पाण्डेय एडवोकेट, यशोदा सिंह,अनुराग विश्कर्मा, दीपक,शरद शुक्ला, रमेश मिश्रा,पवन उपाध्याय, मंगल चौहान सहित अन्य लोग शामिल थे। रेजीडेंट मजिस्ट्रेट ने ज्ञापन सम्बन्धित लोगों के पास भेजने का आश्वासन देते हुए स्वयं मौके का निरीक्षण कर समस्या का स्थायी हल कराने हेतु आवश्यक कार्यवाही कराने को कहा।

हैदराबाद–राजस्थान में होगी लकड़ियों की नक्काशी : कटाई के बाद सुखाने को नागपुर भेजीं सागौन की लकड़ियां

अयोध्या ब्यूरो : रामजन्मभूमि परिसर में निर्माणाधीन 161 फीट ऊंचे राममंदिर में 42 दरवाजे लगाए जाने हैं। दरवाजे, खिड़की व चौखट के लिए महाराष्ट्र के टीक वुड (सागौन) की लकड़ियां प्रयोग की जाएंगी। महाराष्ट्र में लकड़ियों की कटाई के बाद इन्हें सुखाने के लिए नागपुर भेजा जाएगा। इसके बाद हैदराबाद व राजस्थान में इनकी नक्काशी होगी। नक्काशी के बाद तैयार खिड़की–दरवाजे अयोध्या लाए जाएंगे। श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के सूत्रों के मुताबिक मंदिर निर्माण की कार्यदायी संस्था लार्सन एंड टुब्रो के अधिकारी समय–समय पर महाराष्ट्र के चंद्रपुर जाकर जरूरत के अनुसार लकड़ियों की कटाई करवाते रहेंगे। उन्हीं की देखरेख में हैदराबाद एवं राजस्थान में लकड़ियों की नक्काशी का भी काम संपन्न होगा। विशेषज्ञों के मुताबिक आमतौर पर सागौन की लकड़ियों में 20 से 30 फीसदी तक की नमी होती है। लंबे समय तक टिकाऊ बनाने के लिए नमी को 10 फीसदी तक लाना जरूरी होता है। जानकारी के अनुसार 1855 क्यूबिक फीट सागौन की लकड़ी की पहली खेप जल्द ही समस्त प्रक्रियाओं के बाद सीधे अयोध्या पहुंचेगी। मई में शुरू होगा रामलला के घर की छत ढालने का काम राममंदिर के भूतल (गर्भगृह) का काम अब अंतिम चरण में पहुंच रहा है। अभी पत्थरों पर मेहराब(आर्च) बनाने का काम चल रहा है। अगले महीने से रामलला के घर की छत ढालने का काम शुरू हो जाएगा। राममंदिर के गर्भगृह का परिक्रमा पथ भी बन चुका है। मेहराब वास्तुकला का एक शानदार काम है जो किसी भी संरचना में लालित्य और सुंदरता जोड़ सकता है। मंदिर के प्रवेश द्वार से लेकर कई स्थानों पर मेहराब बनाने का काम चल रहा है। बीम के भी सभी स्तंभ तैयार हैं। इसी माह यह काम पूरा होते ही मई से राममंदिर की छत ढालने की प्रक्रिया शुरू कर दी जाएगी। राममंदिर में दो परिक्रमा पथ बनाए जा रहे हैं जिसमें से गर्भगृह का परिक्रमा पथ बन चुका है। गर्भगृह की परिक्रमा केवल पुजारी ही कर पाएंगे। मंदिर परिसर के परिक्रमा पथ का काम अंतिम चरण में है। यह परिक्रमा पथ कीर्तन मंडप से शुरू होकर

भजन मंडप तक है। मंदिर का सिंहद्वार पहला प्रवेश द्वार होगा। प्रवेश द्वार की 32 सीढ़िया भी लगभग बनकर तैयार हो चुकी हैं। मंदिर का गृह मंडप भी बनकर तैयार है। गृहमंडप का द्वार मकराना के मार्बल से बनाया गया है। ऊपरी दीवारों पर मार्बल लगाने का काम चल रहा है। 12 फीट चौड़ा होगा गर्भगृह का कपाट राममंदिर के गर्भगृह का कपाट (दरवाजा) महाराष्ट्र की सागौन की लकड़ियों से बनेगा। महाराष्ट्र में सागौन की लकड़ियों की कटाई का काम चल रहा है। जल्द ही पहली खेप अयोध्या पहुंच जाएगी। गर्भगृह का कपाट 9 फीट ऊंचा और 12 फीट चौड़ा होगा। दरवाजे सोने से मंडित होंगे। मूल गर्भगृह में श्रद्धालु नहीं जा पाएंगे, सिर्फ पुजारी, राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री और मुख्यमंत्री को ही जाने की अनुमति होगी। राममंदिर के भूतल का 70 फीसदी से अधिक काम पूरा हो चुका है। अगले माह से मंदिर की छत ढालने की प्रक्रिया शुरू हो जाएगी। मई व जून में छत ढालने का काम तेजी से चलेगा। काम की गति बढ़ाने के लिए मजदूरों की संख्या भी बढ़ा दी गई है। दिसंबर 2023 तक भूतल बनकर तैयार हो जाएगा।– डॉ.अनिल मिश्र, सदस्य श्रीरामजन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट

श्री राम भक्त हनुमान भगवान शंकर के 11वे रुद्र अवतार हनुमान जी की जयंती जन्मोत्सव पर विशेष

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। चैत्र मास की पूर्णिमा को हनुमान जी का जन्मोत्सव मनाया जाता है। हनुमान जी का हिन्दू देवी–देवताओं में प्रमुख स्थान प्राप्त है। उन्हें हनुमत, दुखभंजन, मारुतिनंदन आदि अन्य नामों से भी पुकारा जाता है। हनुमान जी सर्व शक्तिशाली और श्री राम भगवान जी के परम भक्त थे। हनुमान जी अत्यधिक बलशाली और ताकतवर थे। हनुमान जी को भगवान शंकर जी का ग्यारहवां रूप रुद्रावतार में माना जाता है। वर्तमान समय में अगर कोई ईश्वर इस धरती पर है तो वो श्री राम भक्त हनुमान जी ही है। पृथ्वी पर व्रज के समान अत्यधिक बलशाली होने के कारण इन्हें बजरंगबली भी कहा जाता है। हनुमान जी की माता का नाम अंजना और पिता का नाम केसरी था। इसीलिए इनको आंजनेय और केसरीनंदन भी कहा जाता है। जब हनुमान जी छोटे थे,तो बहुत ही नटखट थे। एक बार उनको बहुत तेज भूख लगी। अंजना मां उनके लिए खाना लेकर आ रही थी लेकिन उनसे भूख बर्दाश्त नहीं हुई और उन्होंने सूर्य भगवान को लाल फल समझकर मुंह में रख लिया। तब चारों ओर अंधकार छा गया हनुमान जी की माता बहुत परेशान हो गई इस बात की खबर तब इंद्र भगवान तक पहुंची तो बहुत नाराज हुए और उन्होंने हनुमान जी पर प्रहार किया जिससे हनुमान जी की ठोडी पर चोट लग गई। हनुमान जी मूर्छित हो गए,इन बातों का जब वायुदेव को पता लगे,तो वह बहुत नाराज हुए और उन्होंने वायु का वेग रोक दिया जिससे समस्त ध रती पर वायु का वेग ना होने से प्राणियों का रहना मुश्किल हो गया। तब उनसे प्रार्थना की, कि आप वायु का संचार करें, नहीं तो समस्त प्राणियों को श्वास लेने में दिक्कत हो जाएगी और समस्त संसार मृत्यु को प्राप्त हो जाएगा। तब ब्रह्मा जी ने आकर बालक मारुती को जीवनदान दिया। तब सबके प्रार्थना करने पर वायुदेव मान गए और उन्होंने वायु का वेग छोड़ दिया। हनुमान जी की ठोडी अर्थात हनु (संस्कृत में ठोडी को हनु कहते हैं)टूटने के कारण ही उन्हें हनुमान कहा जाता है। तब मूर्छा दूर होने पर वायु देव ने अपने पुत्र हनुमान जी को आशीर्वाद दिया कि तुम्हारा वेग मेरे वेग से भी तेज है इसलिए उन्हें वायुपुत्र भी कहा जाता है।हनुमान जी अपने शरीर को चींटी के समान छोटा कर सकते थे और पर्वत के समान बहुत बड़ा भी कर सकते है। एक छलांग में एक जगह से दूसरी जगह चले जाते थे। वे रामायण महाकाव्य में सबसे महत्वपूर्ण पात्रों मे से एक है। जब सीता मां का अपहरण हुआ, तब सीता मां को ढूंढते हुए श्री राम जी को हनुमान जी मिले। हनुमान जी ने हीं सीता मां का पता लगाया था। और श्री राम भगवान को बताया था कि सीता मां लंका में है। हनुमान जी की सहायता के बिना सीता मां का पता लगाना बहुत ही मुश्किल था। कहते हैं कि हनुमान जी का जन्म श्री राम भगवान की सहायता के लिए ही हुआ। हनुमान जी का नाम लेने से ही सभी कष्टों का निवारण हो जाता है। भूत प्रेत आदि शक्तियां उनका नाम सुनकर ही दूर भाग जाती है। इसीलिए हनुमान जी को संकटमोचन भी कहा जाता है। शास्त्रों के अनुसार श्री हनुमान जी का जन्म केवल श्री राम की भक्ति और उनके कार्यों को कार्यान्वित करने के लिए हुआ था । हनुमान जी की हर सांस में केवल श्रीराम का ही स्मरण होता है । एक बार विभीषण ने श्री हनुमान जी को ताना मारते हुए अपनी भक्ति प्रदर्शित करने को कहा– तो श्रीराम की सभा में हनुमान जी ने अपना सीना चीर कर, भगवान श्री राम और माता जानकी के दर्शन अपने सीने में कराकर अपने सच्ची भक्ति का उदाहरण दिया था । राम भक्त हनुमान जी का जन्मदिन बहुत ही धूमधाम से एक त्यौहार की तरह मनाया जाता है। इस दिन हनुमान भक्त सूर्योदय से पहले ही मंदिरों में जमा हो जाते हैं और फिर वे दिन भर आध्यात्मिक स्मृतियों और बुराई पर अच्छाई की जीत के बारे में तथा रामकथा पर परिचर्चा करते हैं। मंदिरों में हनुमान चालीसा और सुंदरकांड का पाठ होता है। इस दिन शोभायात्रा निकाली जाती है और मंदिरों में हनुमान जी के नाम के भंडारे चलते हैं। हनुमान जी को यमदेव से चिरंजीवी आशीर्वाद प्राप्त है अर्थात वह युगो युगो तक धरती पर रहेंगे। हनुमान जी श्री राम जी के अनन्य भक्त है,उनकी भक्ति सभी के लिए अनुकरणीय है। श्री हनुमान को भक्त शिरोमणि भी कहा जाता है। कहते है, जहाँ भी श्री राम जी की वन्दना होती है वहाँ श्री हनुमान जी अवश्य मौजूद रहते हैं। और जब भक्तों उन्हें प्रेम से पुकारते हैं तो वे अपने भक्तों पर हमेशा कृपा दृष्टि बनाए रखते हैं।

बिना घबराए आग की सही सूचना दे लोग – सीएफओ

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) आग लगने की सूचना देते समय लोग घबराये नहीं बल्कि घटनास्थल की भौगोलिक स्थिति की सही जानकारी अग्निशमन विभाग को दे। सूचना देते समय यह भी बताएं कि छोटी दमकल जा सकती है या फिर बड़ी।आग खेत में लगी है या फिर गली के अंदर दुकान या घरो में। जिससे सूचना मिलते ही अग्निशमन विभाग के कर्मी घटनास्थल के पर छोटी या बड़ी दमकल से समय पर पहुंचकर आग को बुझा सके।यह बातें मुख्य अग्निशमन अधिकारी अयोध्या एम पी सिंह ने एक मुलाकात में कहीं।उन्होंने बताया कि प्रायः यह देखने में मिलता है कि जिले में किसी भी क्षेत्र में जब कहीं आग लगी होती है तो सूचनाकर्ता उस घटना की सूचना देते समय घबराहट में बिना पूरी जानकारी दिये अपना मोबाइल स्विच ऑफ कर लेते हैं।जिससे अग्निशमन विभाग के कर्मी यह नहीं तय कर पाते कि उक्त स्थान पर दमकल छोटी ले जाए या फिर बड़ी।जिसके चलते कभी–कभी छोटी अग्निकांड से बड़ी घटना उस समय हो जाती है जब गली या खराब मार्ग के चलते बड़ी दमकल वहां पर पहुंचने से थोड़ी दूर पर ही खड़ी हो जाती है।जिससे समय रहते आग पर काबू नहीं पाया जा सकता।मुख्य अग्निशमन अधिकारी श्री सिंह ने लोगों से अपील किया है कि जब भी अग्निकांड की सूचना जो भी दे तो इस बात की जानकारी जरूर दें कि किस मार्ग से आना है और सही भौगोलिक स्थिति की जानकारी दें।अपने मोबाइल नंबर को स्विच ऑफ कतई ना करें।उन्होंने लोगों से अपील यह भी किया है कि महिलाएं खाना बनाने के बाद राख आसपास फेंक देती हैं जिससे इस समय पछुआ हवा चलने के चलते वहां पर आग लग जाती है।जिससे जन और धन दोनों नुकसान होता है। इसलिए महिलाओं को चाहिए कि चूल्हे की राख

को पानी से बुझाकर ही बाहर फेंके। किसानों से मुख्य अग्निशमन अधिकारी ने अपील किया कि ट्रांसफार्मर, विद्युत पोलों और ऐसे जगह जिसके ऊपर से आपस में टकराते विद्युत तार हो।कोशिश यही रहे कि उसके नीचे इस समय जो गेहूं की फसल है उनको काट दे। अगर शॉर्ट सर्किट होती है तो उसकी चिंगारी से उनके साल भर का पूरा फसल नष्ट हो सकता हैं।मुख्य अग्निशमन अधिकारी एमपी सिंह ने बताया कि हमारे पास आग पर काबू पाने के लिए पर्याप्त संसाधन है। जिसमें ढाई हजार ली, चार हजार व आठ हजार लीटर क्षमता वाली बड़े दमकल हैं।इसके अलावा छोटे दमकल भी हैं।कभी कभार शहरों के उन गलियों में आग पर काबू पाने के लिये बुलेट वाली दमकल हैं। उन्होंने बताया कि जिले में हमारे पुलिस लाइन के अलावा मिल्कीपुर,बीकापुर व रुदौली मे फायर स्टेशन क्षेत्र हैं।जहां पर हमेशा मानक के अनुसार गाड़ी और फायर कर्मी तैनात रहते हैं।वही जिले के थाना महाराजगंज और सोहावल थाना परिसर में भी एक एक दमकल है।हमेशा की तरह इस वर्ष भी अग्निशमन विभाग द्वारा 14 अप्रैल से 20 अप्रैल तक लोगों को जागरूक करने के लिए अग्निशमन सेवा स्मृति दिवस मनाया जाएगा।इस दौरान अग्निशमन विभाग के कर्मियों द्वारा हॉस्पिटल, स्कूल–कॉलेज, पेट्रोल पंपों सहित अन्य सार्वजनिक स्थानों पर जाकर वहां पर मौजूद लोगों को आग से बचने के उपाय से संबंधित जानकारी देते हुए प्रशिक्षित करेंगे। रैली, निबंध प्रतियोगिता, पंपलेट व अन्य माध्यमों से लोगों को आग से बचने के लिए जागरुक किया जाएगा।

क्षेत्र को अपराध मुक्त रखना प्रथम प्राथमिकता – मो.अरशद

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) क्षेत्र को अपराध मुक्त बनाना तथा आपराधिक गतिविधियों पर अंकुश लगाना नवागत हैदर गंज थाना प्रभारी निरीक्षक मोहम्मद अरशद की प्रमुख प्राथमिकता है उन्होंने बताया कि थाना परिसर में आने वाली महिलाओं के साथ साथ सभी फरियादियों की समस्याओं को ध्यान पूर्वक सुनकर थाना परिसर में ही उनकी समस्याओं का समाधान किया जाएगा कोशिश यही रहेगी जितने भी फरियादी हैदर गंज थाने पर अपनी फरियाद लेकर आवे उनकी समस्याओं का निराकरण सॉरी थी यहीं पर ही हो जाए मालूम हो कि इससे पूर्व स्वाट टीम प्रभारी रहे मोहम्मद अरशद का स्थानांतरण वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज जी ने मंगलवार की देर शाम हैदर गंज थाना प्रभारी निरीक्षक का दायित्व सौंपा था वही वहां पर पूर्व में तैनात रहे थाना प्रभारी निरीक्षक हैदरगंज शमशेर बहादुर सिंह को सूत्रों के मुताबिक उनके खिलाफ मिल रही शिकायतों के चलते लाइन हाजिर कर दिया था वही अभी सूत्रों के मुताबिक यह भी अंदेशा जताया जा रहा है कि अभी हैदरगंज में तैनात और पुलिसकर्मियों पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक मुनिराज जी की गाज गिर सकती है नवागत थाना प्रभारी निरीक्षक हैदरगंज मोहम्मद अरशद ने बताया कि आगामी पर्व को सकुशल सम्पन्न कराने के लिये क्षेत्र के संभ्रांत व्यक्तियों के साथ बैठक करेंगे।

अयोध्या के लोकप्रिय पुलिस ऑफिसर डॉ राजेश तिवारी बने पुलिस क्षेत्राधिकारी बीकापुर

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। जनपद में कानून व्यवस्था चुस्त–दुरुस्त बनाए रखने के लिए डीआईजी एसएसपी मुनिराज जी द्वारा पुलिस अधिकारियों और पुलिसकर्मियों का स्थानांतरण करके लगातार पहल की जा रही है। इसी क्रम में बीकापुर पुलिस सर्किल में तैनात रहे क्षेत्राधिकारी संदीप कुमार सिंह को पुलिस क्षेत्राधिकारी सदर बनाया है। तो वही क्षेत्राधिकारी सदर रहे। डा राजेश तिवारी को पुलिस क्षेत्राधिकारी बीकापुर के पद पर नई तैनाती मिली है।

निषाद समाज के लोगों ने निकाली शोभायात्रा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। निषाद जयंती के उपलक्ष में निषाद समाज के लोगों ने धूमधाम से महाराजा निषादराज की शोभायात्रा निकाली। निषाद समाज के अध्यक्ष संतोष निषाद ने बड़ी संख्या में निषाद समाज के महिला और पुरुषों ने शोभायात्रा में भाग लिया। शोभायात्रा नियावां चौराहे से निकलकर गुदड़ी बाजार, चौक, रिकाबगंज होते हुए सिविल लाइन डाकघर पे पास निषाद भवन पर समाप्त हुई।पूरे रास्ते निषाद समाज के लोग डीजे की धुनों पर नाचते नजर आए। निषाद समाज के अध्यक्ष संतोष निषाद ने बताया कि पिछले कई वर्षों से 5 अप्रैल को महाराजा निषाद राज की जयंती के रूप में मनाया जाता है। जिसमे पूरे जिले से निषाद समाज के महिला और पुरुष भाग लेते है। आज के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में जल शक्ति राज्यमंत्री रामकेश निषाद शामिल हुए। संतोष निषाद में कहा कि शोभायात्रा के माध्यम से निषाद समाज की ताकत को भी सरकारों के सामने दिखाने का काम किया जाता है क्योंकि हमारी संख्या इतनी है कि हम किसी की भी सरकार को बना सकते है और किसी की भी सरकार को गिरा सकते है।

राम जन्मभूमि ट्रस्ट के अध्यक्ष चंपतराय झंडी दिखाकर रवाना करेंगे 84 कोसी परिक्रमा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। जैसे–जैसे अयोध्या में भव्य राम मंदिर का निर्माण गति पकड़ रहा है वैसे वैसे अयोध्या के अनेक पर्वो में सम्मिलित होने वाले श्रद्धालुओं की भीड़ बढ़ती जा रही है। कल अयोध्या की ऐतिहासिक 84 कोसी परिक्रमा को कारसेवक पुरम से विहिप के चंपत राय झंडी दिखाकर रवाना करेंगे। 25 दिनों तक चलने वाली 84 कोसी परिक्रमा कारसेवक पुरम से सरयू घाट पहुंचेगी जहां पर सरयू आरती के बाद मखभूमि मखौड़ा के लिए बढ़ेगी। पारंपरिक 84 कोसी परिक्रमा में संत, महंत, गृहस्थ, विरक्त लोग शामिल होंगे। इस बार मिल्कीपुर से पूर्व विधायक गोरखनाथ बाबा भी 84 कोसी परिक्रमा में सम्मिलित हो रहे हैं। जिससे राजनीतिक हलकों में भी चर्चा का विषय बन गया है। मिल्कीपुर क्षेत्र से होकर गुजरने वाली परिक्रमा को लेकर पड़ाव स्थलों पर तैयारियां भी शुरू हो गई हैं। पूर्व विधायक के साथ भारतीय जनता पार्टी के दर्जनों कार्यकर्ताओं के भी शामिल होने की उम्मीद है। परिक्रमा कारसेवक पुरम से अयोध्या सरयू तट के लिए रवाना होगी जहां पर परिक्रमार्थियों द्वारा मां सरयू की आरती की जाएगी जिसके पश्चात परिक्रमार्थी मखौड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे।

सपा महानगर कमेटी ने नवनियुक्त सपा जिलाध्यक्ष का किया भव्य स्वागत एवं नगर निगम के चुनाव को लेकर की चर्चा

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। समाजवादी पार्टी महानगर कार्यालय पर नवनियुक्त सपा जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव के प्रथम आगमन पर सपा महानगर कमेटीके पदाधिकारियों नेताओं कार्यकर्ताओं द्वारा भव्य स्वागत किया कार्यक्रम की अध्यक्षता महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व संचालन महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने किया इस मौके पर महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव व महासचिव हामिद जाकर मीसम ने राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव एवं प्रदेश अध्यक्ष नरेश उत्तम पटेल का आभार व्यक्त करते हुए कहां इनके मनोनयन से नौजवान और पूरी पार्टी मजबूत हुई है इस मौके पर नगर निगम के चुनाव की चर्चा करते हुए पूर्व मंत्री तेज नारायण पांडे ने कहा सड़क चौड़ी करने के नाम पर लोगों को बहुत मामूली मुआवजा दिया जा रहा है यह सरकार किसानों बेरोजगारों व्यापारियों को ठगने का काम कर रही है उन्होंने कहा मेयर एवं पार्षद प्रत्याशी सबसे विचार विमर्श करके ही तय किया जाएगा और जिसको महानगर कमेटी मेयर और पार्षद का टिकट देगी सभी लोग मिलकर को जिताने का काम करें इस मौके पर नवनियुक्त जिला अध्यक्ष पारसनाथ यादव ने कहां पार्टी की ओर से जो महत्वपूर्ण जिम्मेदारी सौंपी गई है उसका मैं पूरी जिम्मेदारी के साथ निर्वहन करुंगा उन्होंने कहा लोकसभा समाजवादी पार्टी को जीत दिलाना उनकी प्राथमिकता है महानगर अध्यक्ष श्याम कृष्ण श्रीवास्तव ने आए हुए सभी नेताओं कार्यकर्ताओं को धन्यवाद देते हुए कहा आने वाला दिन समाजवादी पार्टी का है पारसनाथ यादव के नेतृत्व में एक बार समाजवादी पार्टी फिर से जिले में में अपना परचम लहराएंगे महानगर महासचिव हामिद जाफर मीसम ने नवनियुक्त जिलाध्यक्ष का स्वागत करते हुए कहा कि समाजवादी पार्टी निकाय चुनाव में पूरे दमखम के साथ सफलता हासिल करेगी अयोध्या में मेयर और सभी पार्षदों को जिताने का काम करेगी उपाध्यक्ष श्री चंद्र यादव ने स्वागत करते हुए कहा समाजवादी पार्टी आने वाले

लोक सभा निकाय चुनाव में बेहद महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगी महानगर प्रवक्ता राकेश यादव ने बताया नवनियुक्त जिलाध्यक्ष पारसनाथ यादव का आज पार्टी कार्यालय पर पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं ने जोरदार स्वागत किया इस मौके पर, कार्यकर्ताओं ने उन्हें फूल मालाओं से लाद दिया इस मौके पर पूर्व विधायक दादा जय शंकर पांडे, मोहम्मद हलीम पप्पू, चौधरी बलराम यादव सूरज वर्मा, मनोज जायसवाल, बाबू राम गौड़ राम भवन यादव, राम अजोर यादव अमृत राजपाल, आशीष पांडे दीपू ,रियाज अहमद, कौशल यादव, सुरेंद्र यादव, स्वामीनाथ बर्मा, मंसूर अहमद, नरेश अग्रवाल,, अनुराग , आरोनी पासवान बब्बन प्रधान, जगन्नाथ यादव, पवन तिवारी, सरोज यादव, अपर्णा जसवाल,सादमान खान अवधेश यादव, महंत अनिल मिश्रा, रोहित यादव प्रदीप चौबे गणेश पांडे भल्लू, अनीश यादव, शैलेंद्र अवस्थी रवि यादव, जगत नारायण यादव,अखिलेश पांडे, रोहित शर्मा,मोहम्मद आमिर, घनश्याम यादव अखिलेश पांडे, माजिद खान बाबा देवेश सिंह विकी, सलीम अंसारी, इसहाक खान मोहम्मद सुहैल,अत्ताउल्लाह खान, सनी यादव, इंद्रसेन पहलवान, महेंद्र शुक्ला,अजय चौरसिया, राजेंद्र मांझी, अरुण निषाद,, शाहबाज लकी, अनिल यादव नौशाद पार्षद विकास यादव,उमेश यादव, मंजीत यादव, ध्रुव गुप्ता,जगदीश यादव विक्की यादव, प्रताप जायसवाल, असलम पठान, शिवांशु तिवारी,इमरान पार्षदों औरंगजेब, कमलेश कुमार सोलंकी, अजय पांडे, फरीद कुरेशी,,विद्याभूषण पार्टी, रक्षा राम यादव, शमशेर यादव, गुड्डू पांडे, सिकंदर चौधरी, सेंटी तिवारी,राम नवल पाल, नागेश्वर कोरी, अजय विश्वकर्मा आदि लोग उपस्थित रहे।

जिला चिकित्सालय में तैनात चिकित्सा कर्मियों के लिए नहीं मायने रखता प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक का दिशा निर्देश

अयोध्या।(राजेश श्रीवास्तव ब्यूरो चीफ अयोध्या) प्रदेशों के विभिन्न जिलो में कोरोना वायरस धीरे धीरे एक बार फिर पांव पसार रहा है।अभी कुछ दिन पहले श्री राम चिकित्सालय में तैनात प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ सतेन्द्र सिंह खुद कोरोना पाजिटिव हो गये थे।लेकिन तीन दिन बाद उनकी आरटीपीसीआर रिपोर्ट निगेटिव आई थी। जबकि पीलीभीत जिले के अपर जिलाधिकारी व पुलिस अधीक्षक खुद कोरोना पाजिटिव पाये गये थे।जबकि बुधवार को योगी सरकार में मंत्री सूर्य प्रताप शाही व उनकी पत्नी खुद कोरोना पाजिटिव पायी गई।कुल मिलाकर इस समय कोरोना वायरस धीरे धीरे अपना पांव पसार रहा है।जिसको लेकर स्वास्थ्य विभाग एक बार फिर कोरोना के प्रति लोगों को सतर्कता बरतने पर जोर दे रहा है।इसको लेकर अयोध्या जिले में भी मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ अजय राजा ने जिले के प्रमुख चिकित्सकों में तैनात प्रमुख चिकित्सा अधीक्षकों को दिशा निर्देश जारी किए हैं कि चिकित्सालय परिसर में आने वाले सभी मरीज व उनके परिजनों को मास्क लगाना अनिवार्य है।इसके साथ ही साथ जिले में सभी चिकित्सालय में तैनात प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक व उनके अधीनस्थ कर्मी मास्क लगाएं और कोविड–19 नियम का पालन करें। वही दो दिन पूर्व जिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक डॉ सी बी एन त्रिपाठी तथा जिला महिला चिकित्सालय के प्रमुख चिकित्सा अधीक्षक ने भी अपने अधीनस्थ चिकित्सकों व कर्मियों के साथ–साथ चिकित्सालय परिसर में आने वाले मरीजों व उनके परिजनों को कोविड–19 नियम करने का सख्त दिशा निर्देश जारी किया था।परंतु इनका फरमान कोरा कागज है साबित हो रहा है बुधवार को जिला चिकित्सालय में आने वाले मरीजों व उनके परिजनों के तो दूर वहां पर

तैनात चिकित्सक कर्मियों ना तो मास्क लगाए थे और ना ही कोरोना नियम का पालन करते हुए दिखाई दिए जबकि नियम यह है की जहां पर चिकित्सक की तैनाती होती है।वहां पर सेनीटाइजर और चिकित्सक खुद मास्क लगाकर बैठकर ही सामने बैठे मरीजों का इलाज करें।मैं ना तो मरीज और उनके परिजन पूर्णा नियम का पालन करते हुए दिखाई दे रहे हैं और मजे की बात तो यह है के इस चिकित्सालय में तैनात चिकित्सक व उनके साथ साथ वार्ड बॉय नर्स भी बिना मास्क के और कोरोनावायरस करते हुए नहीं दिखाई दे रही हैं। वही एक सप्ताह पूर्व श्री राम चिकित्सालय अयोध्या के प्रशासनिक अधिकारी ने चिकित्सालय परिसर में बिना मास्क के प्रवेश वर्जित का फरमान जारी कर दिया था।जिसका नतीजा यह रहा कि श्री राम चिकित्सालय में वहां पर तैनात चिकित्सक व कर्मियों के अलावा वहां पर अपना इलाज कराने जाने वाले मरीजों व उनके तीमारदारों के चेहरे पर मास्क दिखाई देता नजर आ रहा है।जिससे यह लगता है कि एक बार फिर जिला जिले में कोरोना दस्तक दे सकता है वहीं चिकित्सकों की राय है कि इधर 3 महीने कोरोनावायरस ने की आशंका जताई जा रही है जिसके चलते हमें कोरोना के प्रति सजग रहना है और कोविड–19 नियम का पालन करना है।

पचास शैय्या अस्पताल देवगांव के संचालन को लेकर प्रशासन हुआ सख्त

अयोध्या (डीकेयू लाइव) ब्यूरो सुरेंद्र कुमार। मिल्कीपुर क्षेत्र के 50 शैय्या अस्पताल देवगांव भवन का निर्माण अधूरा होने के बावजूद तीन वर्ष पूर्व करोड़ों रुपए के संसाधन उपकरण खरीद कर 100 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय कुमारगंज में रखवा दिया गया था इसी बीच पुनः सपा से विधायक बनने के बाद अवधेश प्रसाद ने अस्पताल को संचालित कराने की मांग की जिला प्रशासन से लेकर स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक से की। स्वास्थ्य मंत्री के संज्ञान में आने पर विभाग ने कुछ माह पूर्व कार्यदाई संस्था उत्तर प्रदेश राजकीय निर्माण निगम इकाई अयोध्या से अस्पताल भवन को हस्तांतरित कर लिया। अस्पताल के सामानों के लिए स्टोर इंचार्ज की तलाश आरंभ हुई तो स्टोर की जिम्मेदारी तथा स्टोर की चाबी किसके पास है यह कोई कर्मचारी अधिकारी नहीं बता सका। ऐसी दशा में सीएमओ डॉ अजय राजा की ओर एक पांच सदस्यीय समिति गठित की गई थी। गठित टीम में अपर मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ आरके सक्सेना, सौ शैय्या चिकित्सालय कुमारगंज के चिकित्सक डॉ संतोष सिंह ,चीफ फार्मासिस्ट रामाशीष प्रसाद, 50 शैय्या अस्पताल के फार्मेसिस्ट योगेंद्र कुमार त्रिपाठी तथा वरिष्ठ सहायक योगेंद्र नारायण त्रिपाठी की मौजूदगी में तोड़ने का आदेश दिया था। जिससे खरीदे गए सामान का स्टॉक बुक से मिलान कराया जा सके मिलान कराने का एक मकसद यह भी हो सकता है कि प्रभारी और स्टोर रूम की चाबी की तरह कहीं खरीदे गए संसाधन तो भी गायब नहीं हो गए हैं। बुधवार को सीएमओ की ओर से गठित की गई 5 सदस्यीय टीम 100 शैय्या अस्पताल पहुंचकर स्टोर का ताला तोड़कर अस्पताल संचालन के लिए फर्नीचर, बेड, स्ट्रेचर सहित अन्य सामानों का मिलान कराते हुए सूची तैयार कर देवगांव के संयुक्त चिकित्सालय भिजवाने की प्रक्रिया समाचार लिखे जाने तक चलती रही। अस्पताल भवन निर्माण करा रही कार्यदाई संस्था राजकीय निर्माण निगम इकाई अयोध्या के लेखाकार प्रदीप अग्रवाल व तत्कालीन अभियंता सिविल एचपी भट्टा के खिलाफ इकाई प्रभारी अधिशासी अभियंता अनुप शुक्ला ने एक सप्ताह पूर्व थाना कुमारगंज में सरकारी धन दुरूपयोग की धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया है, मुकदमा दर्ज होने के बाद से पुलिस जांच पड़ताल में जुटी है।

मानदेय कटौती पर भड़के रोडवेज के आउटसोर्सिंग कर्मी

अयोध्या (डीकेयू लाइव ब्यूरो) सुरेंद्र कुमार। उ.प्र. परिवहन विभाग में तैनात आईटीआई और आउटसोर्सिंग कर्मी मानदेय में 30 फीसदी कटौती से भड़क गए हैं। आक्रोशित कर्मियों ने बुधवार को काम–काज ठप्प कर प्रदर्शन शुरू कर दिया। जिसके चलते आपात प्रबंधन के लिए अधिकारियों को मोर्चा संभालना पड़ा। प्रबंधन आक्रोशित कर्मियों को समझाने–बुझाने और मामले का हल निकालने में जुट गया है। नाराज रोडवेज के आईटीआई और आउटसोर्सिंग कर्मियों का कहना है कि उत्तर प्रदेश राज्य सड़क परिवहन निगम की सेवा शर्तों के मुताबिक उन्होंने पूरे महीने काम किया, लेकिन अब जनवरी और फरवरी माह का मानदेय आया तो पता चला की मानदेय लगभग 30 फीसदी कम आया है। नियम के मुताबिक उन लोगों को 11 हजार 500 रूपये प्रतिमाह का भुगतान मिलना चाहिए, लेकिन दोनों माह का मानदेय भुगतान 8 हजार 500 रूपये की दर से ही आया है। इसको लेकर अधिकारियों से आपत्ति जताई गई और निदान कराने की मांग की गई, लेकिन कोई समाधान नहीं हुआ तो मजबूर होकर सामूहिक रूप से कार्य बहिष्कार और प्रदर्शन का निर्णय लेना पड़ा। आईटीआई और आउटसोर्सिंग कर्मियों के कार्य बहिष्कार को लेकर आपात सेवाओं के लिए अधिकारियों को मोर्चा संभालना पड़ा। फोरमैन खुद रोडवेज बस का स्टेपनी बदलवाने में जुटे रहे। कार्य बहिष्कार में शामिल नरेंद्र यादव का कहना है कि पूरे अयोध्या परिक्षेत्र में आईटीआई और आउटसोर्सिंग कर्मी प्रबंधन के इस कृत्य से प्रभावित हैं और कार्य बहिष्कार को मजबूर हैं। उनका कहना है कि एक तो उनको नियमित कर्मियों के समान कार्य और ड्यूटी के बावजूद बहुत कम भुगतान दिया जा रहा था और अब उसमें भी कटौती कर ली गई। प्रदर्शन में अंबुज वर्मा, राजकरन यादव, पंकज कुमार, जगदंबा, अनीता सिंह, संदीप कुमार, रंजीत पाल, नीरज मिश्रा, सीताराम, आनंद प्रताप,सुधीर, अनिल, रवींद्र कुमार, राज कुमार, अमित कुमार, सुधांशु, दिलशाद, दिलदार समेत अन्य शामिल हैं। इस बाबत सेवा प्रबंधक नीरज सोनकर का कहना है कि कर्मियों से बातचीत चल रही है।

सम्पादक मंडल
श्री शिवशंकर द्विवेदी संयुक्त सचिव (सेवा निवृत्त) उ0प्र0 शासन, लखनऊ, पं. लाल साहब उपाध्याय (सत्यवेदानन्द जी), बाबा शक्ति नाथ (ज्योतिषाचार्य)श्री विजय कुमार तिवारी, श्री दीपचन्द्र मौर्य (एडवोकेट), श्री सुभाष चन्द्र सेठ,श्री ऋषिकेश द्विवेदी, श्री शिवशंकर तिवारी
प्रमुख कार्यालय– हिन्दी साप्ताहिक " देश की उपासना"
पता–ई 3464,राजाजी पुरम्(निकट मिनी स्टेडियम) लखनऊ उ0प्र0
लखनऊ सम्पादक– श्री पी0सी0श्रीवास्तव मों0 9415545107

स्वात्वाधिकारी की ओर से श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव पत्नी श्री प्रभुदयाल श्रीवास्तव मुद्रक, प्रकाशक एवं सम्पादक द्वारा देश की उपासना प्रेस, उपासना भवन, धर्मसारी, प्रेमापुर, जौनपुर उत्तर प्रदेश से मुद्रित एवं प्रकाशित।

सम्पादक
श्रीमती किरन देवी श्रीवास्तव

सह सम्पादक
श्रीमती हेमा त्रिपाठी
मो0–7007415808,9628325542,9415034002

RNI संन्दर्भ संख्या – 24/234/2019/R-1
deshkiupasanadailynews@gmail.com

उपरोक्त सभी पद अवैतनिक है,समाचार पत्र में प्रकाशित लेख/समाचारों से सम्पादक की सहमति अनिवार्य नही
समाचार–पत्र से सम्बन्धित समस्त विवादों का न्याय क्षेत्र जौनपुर न्यायालय होगा।